दैनिक
भारत देश हमारा
मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी | सम्पादकः अमृतपाल सिंह | DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

पीआरजीआई (आरएनआई) रज़ि न. 57282/1994 वर्ष 30 अंक 162 नई दिल्ली शुक्रवार 13 जून 2025 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठ: 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

दीवार गिरने से तीन की मौत

मुंबई, 12 जून (निस) महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के सिद्धार्थ गार्डन के अंदर की एक पुरानी दीवार का एक हिस्सा अचानक गिर गया और इस हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक ये दोनों महिलाएं गार्डन में काम करती थीं। मृतक महिलाओं के नाम स्वाति खैरनाथ (35) और रेखा गायकवाड़ (38) हैं।

हादसे में तीन की मौत

झांसी, 12 जून (निस) यूपी के झांसी में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा झांसी–कानपुर नेशनल हाईवे पर खिल्ली गांव के पास हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।जानकारी के मुताबिक कार सवार लोग सिद्धार्थनगर से मुंबई की ओर जा रहे थे।

भीषण त्रासदीः गुजरात विमान हादसे में 241 यात्री हताहत

उड़ान भरने के 8 मिनट बाद हादसा, मरने वालों में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी भी शामिल

क्रैश होते ही विमान मेडिकल कालेज भवन के साथ टकराया, पांच छात्रों की मौत, कई घायल

देश भर में शोक की लहर, अभिनेत्री सौंदर्य भी हादसे का शिकार, मृतकों में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडा एवं सात पुर्तगाली नागरिक शामिल, प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति मुर्मू, सोनिया गांधी, अमितशाह सहित सभी प्रमुख नेताओं ने जताई संवेदना

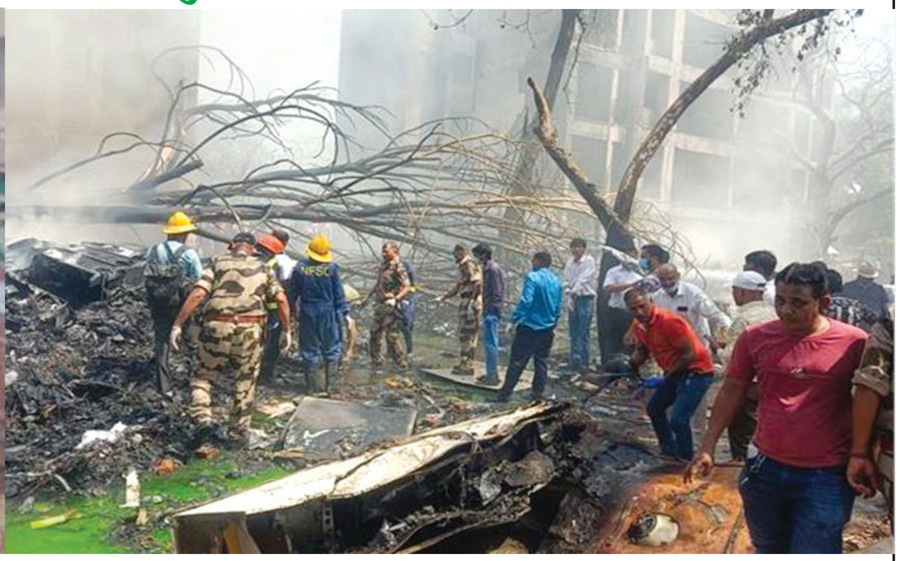

अहमदाबाद 12 जून (निस) गुजरात के अहमदाबाद शहर में गुरुवार को एक दिल दहला देने वाला विमान हादसा हुआ, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। एयर इंडिया की लंदन जाने वाली फ्लाइट, जिसने दोपहर 1 बजकर 48 मिनट पर सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी, महज 9 मिनट बाद क्रैश हो गई। विमान करीब 625 फीट की ऊंचाई पर था, जब वह नियंत्रण खो बैठा और हॉर्स कैंप क्षेत्र के पास जोरदार धमाके के साथ जमीन से टकरा गया।

उड़ान बनी आखिरी सफर, कोई नहीं बचा–हादसे में सभी 241 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें 232 यात्री, 2 पायलट, और 10 क्रू मेंबर शामिल थे। यह जानकारी सरकारी सूत्रों की ओर से दी गई है। विमान में सवार लोगों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी बताए जा रहे हैं। हालांकि, उनकी स्थिति को लेकर अब भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

विमान बन गया आग का गोला–जैसे ही विमान नीचे गिरा, वह आग के भीषण गोले में तब्दील हो गया। धमाका इतना तेज था कि आसपास की कई इमारतों को भी नुकसान पहुंचा। हादसे के बाद घटनास्थल पर धुएं के गुबार और मलबे के ढेर देखे गए।

सिविल हॉस्पिटल के पास गिरा विमान–विमान सिविल अस्पताल के नजदीक स्थित हॉर्स कैंप इलाके में गिरा, जो कि शहर का घनी आबादी वाला क्षेत्र है। इससे आसपास रहने वालों में अफरा–तफरी मच गई। कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि गिरते समय विमान से अजीब आवाजें आ रही थीं, और फिर एक जोरदार धमाका हुआ।

कौन–कौन था विमान में सवार? एयर इंडिया की इस इंटरनेशनल फ्लाइट में कुल 242 लोग सवार थे- 11 बच्चे, 2 नवजात शिशु, 10 क्रू मेंबर, 2 पायलट

इनमें नागरिकता के आधार पर यात्री इस प्रकार थे-

169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, 7 पुर्तगाली नागरिक, 1 कनाडाई नागरिक

विजय रूपाणी भी थे इस फ्लाइट में सवार–इस हादसे के बाद एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी इस फ्लाइट में सवार थे। लंदन निवासी नितिन भारद्वाज, जो रूपाणी के करीबी माने जाते हैं, ने बताया कि वह अपनी बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। बताया गया कि रूपाणी की सीट संख्या 12 थी। क्रैश के बाद मचा हड़कंप–हादसे के बाद इलाके में भारी अफरा–तफरी मच गई। विमान में आग लग गई और घटनास्थल से घना काला धुआं उठता देखा गया। दमकल की गाड़ियाँ, पुलिस, और राहत दल तुरंत मौके पर पहुंच गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है। जांच शुरू, DGCA सक्रिय–हादसे की जांच शुरू कर दी है। हादसे से पहले विमान की ओर से MAY-DAY कॉल दी गई थी, जो दर्शाता है कि विमान उड़ान के तुरंत बाद किसी गंभीर तकनीकी संकट में फंस गया था।

पीएम मोदी ने जताई संवेदना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे हृदय विदारक है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने जताया गहरा शोक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस हादसे को हृदय विदारक आपदा करार देते हुए, सभी प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। सोशल मीडिया मंच एक्स पूर्व में ट्विटर पर पोस्ट करते हुए राष्ट्रपति ने लिखा- यह एक अत्यंत दुखद विमान दुर्घटना है। इस हृदय विदारक आपदा में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। राष्ट्र इस अवर्णनीय दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है।

हादसे की भयावह तस्वीरें आईं सामने–क्रैश के बाद की जो तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, वे दिल दहला देने वाले हैं। मौके पर मलबे में तब्दील हो चुकी बिल्डिंग, जलता हुआ मलबा, और हवा में उठता घना काला धुआं साफ तौर पर इस हादसे की भयावहता को बयां कर रहे हैं।

सीधे इमारत से जा टकराया विमान

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान बहुत कम ऊंचाई पर उड़ता दिखा और फिर भारी **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर,12 जून (निस) छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 19 लाख रुपये के इनामी तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस के अनुसार, यह घटनाक्रम सुकमा जिले में 16 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इसमें छह नक्सलियों पर सामूहिक रूप से 25 लाख रुपये का इनाम था। इसमें से नौ नक्सली केरलापेंडा ग्राम पंचायत के थे। अधिकारियों ने बताया कि पूर्व बस्तर डिवीजन में कंपनी नंबर छह में सक्रिय नक्सली भीमा उर्फ ढोलू उर्फ दिनेश पोड़ियाम (40) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया। उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित है।

जयराम रमेश और राहुल गांधी को गंभीरता से लेने की जरुरत नहीं –संबित पात्रा

नई दिल्ली, 12 जून (निस) कांग्रेस सांसद जयराम रमेश के ट्वीट पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पलटवार कर दिया है। सांसद पात्रा ने रमेश और राहुल गांधी हमेशा पीएम मोदी पर हमला करने के नाम पर भारत को कठघरे में खड़ा करने की जल्दी में रहते हैं। उन्होंने जी7 के बारे में भी यही बातें कही थीं। लेकिन वे इस बारे में अपना चेहरा कहां छिपाएंगे? उन्हें गंभीरता से लेने की कोई जरूरत नहीं है। कांग्रेस ने अमेरिका के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी द्वारा पाकिस्तान को आतंकवाद विरोधी दुनिया में बेहतरीन साझेदार बताने पर कहा कि आखिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस बारे में क्या कहना है और क्या यह कूटनीतिक झटका नहीं है। कांग्रेस ने एक खबर का हवाला दिया जिसमें दावा किया गया है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर वाशिंगटन डीसी का दौरा कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव रमेश ने कहा कि मुनीर का दौरा भारत के लिए एक और बड़ा कूटनीतिक झटका है। अमेरिका की केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला ने कहा है कि उनके देश को पाकिस्तान और भारत दोनों के साथ संबंध रखना होगा।

ब्रिटेन, रुस, चीन, फ्रांस सहित विश्व भर के नेताओं ने हादसे पर गहरा दुख जताया

नई दिल्ली 12 जून (निस)अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के विमान हादसे पर दुनिया भर से संवेदनाएं आ रही हैं। चीन, जर्मनी, रूस और फ्रांस ने इस दुखद घटना पर भारत के साथ एकजुटता जताई है। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहॉन्ग ने विमान हादसे पर गहरा दुख जताया और कहा कि इस दर्दनाक समय में वह सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं।

जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने सोशल मीडिया पर लिखा, हम अहमदाबाद से उड़ान भरने के बाद एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की चौंकाने वाली तस्वीरें देख रहे हैं। इस समय मेरी प्रार्थनाएं भारत के लोगों और उन सभी के साथ हैं जो अपने प्रियजनों के लिए चिंतित हैं।

ब्रिटिश पीएम ने जताया दुख–ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने बृहस्पतिवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद, लंदन जाने वाले एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर शोक व्यक्त किया है। स्टॉर्मर ने एक बयान में कहा, ''कई ब्रिटिश नागरिकों को लेकर लंदन आ रहे विमान के भारतीय शहर अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने का दृश्य भयावह है। उन्होंने कहा, '' मुझे पल–पल की जानकारी दी जा रही है तथा इस अत्यंत दुखद समय में मेरी संवेदनाएं यात्रियों और उनके परिवारों के साथ हैं।

आतंक के खिलाफ आवाज बुलंद करने पर जयशंकर ने फ्रांस का आभार जताया

नई दिल्ली 12 जून (निस) विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन के फ्रांस के मजबूत संदेश के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति को रेखांकित करने के लिए यूरोप के तीन देशों की यात्रा पर हैं। यह यात्रा गत 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हो रही है।

जयशंकर ने मुलाकात के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिवादन उन्हें प्रेषित किया। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन के फ्रांस के मजबूत संदेश के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हमारी चर्चाओं में हमारी रणनीतिक साझेदारी के प्रति विश्वास, सहजता और महत्वाकांक्षा की झलक मिली।

शहरी स्वामित्व योजना के तहत सीएम सैनी ने पात्र कारोबारियों को दस्तावेज सौंपे

चण्डीगढ़, 12 जून (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को तोहफा देते हुए प्रदेश के सभी जिलों के 250 पात्र लाभार्थियों को उनकी दुकानों की रजिस्ट्रियां सौंपी। इससे पहले भी इस योजना के तहत प्रदेश में लगभग 6 हजार पात्र लाभार्थियों को यह लाभ दिया जा चुका है।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला के सेक्टर–1 स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में आयोजित मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री वितरण समारोह में प्रदेशभर से आए लाभार्थियों को दुकानों की रजिस्ट्री सौंपकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।इससे पहले मुख्यमंत्री ने विश्राम गृह परिसर में सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा सरकार के पिछले 11 वर्षों की उपलब्धियों पर लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया। इस अवसर पर सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक श्री के.एम.पांडुरंग भी उपस्थित रहे।

रजिस्ट्रियों के रूप में जो सूर्य उदय हुआ है, उसकी रोशनी हरियाणा के हर घर आंगन तक पहुंचेगी – समारोह को सम्बोधित करते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दुकानों की यह रजिस्ट्रियां केवल कागज का टुकड़ा नहीं बल्कि उनके सपनों का भण्डार है। इन रजिस्ट्रियों के रूप में आज जो सूर्य उदय हुआ है, उसकी रोशनी हरियाणा के हर घर आंगन तक पहुंचेगी। हमारी सरकार का ध्येय कोई भी पात्र नागरिक सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि आज हम यहां केवल कुछ कागजात, कुछ रजिस्ट्रियां सौंपने के लिए ही एकत्रित नहीं हुए हैं। हम यहां आपके सपनों को पंख देने के लिए, आपकी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने और आपको आपकी अपनी जमीन का, अपनी दुकान का कानूनी रूप से मालिक बनाने के लिए एकत्रित हुए हैं।

यह रजिस्ट्रियां आपके स्वाभिमान का दस्तावेज़ और भविष्य की सुरक्षा गारंटी – उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों में कई ऐसी बस्तियां और कॉलोनियां थीं, जहां सालों से बसे परिवारों के पास अपनी संपत्ति का मालिकाना हक नहीं था। शहरों में भी हमारे भाई–बहन इस समस्या से लंबे समय से जूझ रहे हैं। इसको देखते हुए प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया कि 20 साल से अधिक समय से किराये या लीज अथवा लाइसेंस फीस पर चल रही पालिकाओं की दुकानों व मकानों की मलकीयत उन पर काबिज व्यक्तियों को ही दी जाएगी। इसी सोच के साथ प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना की शुरुआत की। हमारा लक्ष्य स्पष्ट था, हरियाणा के हर नागरिक को, चाहे वह गांव में रहता हो या शहर में, उसे अपनी **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

पंजाब व हरियाणा के सीएम ने विमान दुर्घटना पर जताया दुख

चंडीगढ़ 12 जून (निस) अहमदाबाद के सरदार वल्लभ भाई एयरपोर्ट से उड़ाने भरी एयर इंडिया विमान के साथ बड़ा हादसा हो गया। इस भयानक हादसे को लेकर पंजाब मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दुख्य व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख जताते हुए ट्वीट किया है।मान ने ट्वीट कर लिखा, अहमदाबाद से दिल दहला देने वाली खबर मिली। एक यात्री विमान उड़ान के दौरान रिहायशी इलाके के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। धुएं और तबाही की तस्वीरें बेहद परेशान करने वाली हैं। परमात्मा से प्रार्थना करते हैं... वाहेगुरु वाहेगुर। इसके साथ ही हरियाणा के सीएम नायब सिंहसैनी ने भी हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है एवं संवेदना व्यक्त की है।

रूपाणी के निधन पर सुनील जाखड़ ने जताया दुख

इस दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब भाजपा प्रभारी विजय रूपाणी की भी मौत की जानकारी मिली है। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है।

लुधियाना पश्चिम विस उपचुनाव के लिए गर्माने लगी सियासी जमीन

आशु का मतलब है डर, धमकी और अहंकार, सजीव अरोड़ा सेवा, विनम्रता एवं विश्वास के प्रतीक-कंग

लुधियाना, 12 जून (निस)आम आदमी पार्टी (आप) ने कांग्रेस नेता भारत भूषण आशु पर तीखा हमला बोला और लोगों से उनके अहंकार को खारिज करने और आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की विनम्रता और सेवाभाव को जीताने की अपील की। आप सांसद मलविंदर सिंह कंग ने आशु की आलोचना करते हुए कहा कि मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने पूरे इलाके में डर और दहशत का माहौल पैदा कर दिया था। कंग ने कहा कि आशु के अहंकारी व्यवहार ने उन्हें सत्ता के दुरुपयोग का प्रतीक बना दिया है। उन्होंने अधिकारियों को %कुचलने% की धमकी देने और स्कूली बच्चों व शिक्षकों के सामने एक महिला जिला शिक्षा अधिकारी का सार्वजनिक रूप से अपमान करने का काम किया जिससे लोग अभी भी डरे हुए हैं। संजीव अरोड़ा के साथ आशु के रिकॉर्ड की तुलना करते हुए कंग ने कहा, एक तरफ, आपके पास एक ऐसा व्यक्ति है जिसके अहंकार ने न केवल जनता को बल्कि अपने स्वयं के पार्टी कार्यकर्ताओं को भी अलग–थलग कर दिया है, जबकि दूसरी तरफ संजीव अरोड़ा में विनम्रता, सुलभता और सेवाभाव की इच्छा है।

अरोड़ा एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले व्यवसायी हैं, जो केवल लुधियाना की बेहतरी के लिए काम करने के लिए राजनीति में आए हैं। कंग ने आशु के खिलाफ भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के की ओर इशारा करते हुए कहा, यह कोई राय नहीं है, यह सार्वजनिक रिकॉर्ड का मामला है। मीडिया ने आशु द्वारा पुलिस अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और यहां तक कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी धमकाने की व्यापक रिपोर्ट की है। उनका चरित्र एक धमकाने वाला है, जो लुधियाना पश्चिम के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अयोग्य है।आप नेता ने लुधियाना पश्चिम के मतदाताओं से आगामी उपचुनाव में समझदारी से चुनाव करने की अपील करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी स्वच्छ, ईमानदार और जवाबदेह सरकार का प्रतिनिधित्व कर रही है। वहीं संजीव अरोड़ा का राज्यसभा सांसद के रूप में रिकॉर्ड और जनसेवा के प्रति उनका समर्पण लोगों के वास्तविक मुद्दों को हल करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है – चाहे वह शिक्षा हो या स्वास्थ्य सेवाएं हो।कंग ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा, यह चुनाव केवल विधायक चुनने के लिए नहीं है बल्कि यह डर, विश्वास, अहंकार और सेवा के बीच चुनाव करने का है। आशु के पास मौका था, लेकिन उन्होंने अपने दबंग व्यवहार और आम लोगों की उपेक्षा कर अपनी छवि को खराब कर लिया। लुधियाना पश्चिम बेहतर का हकदार है और संजीव अरोड़ा ही एकमात्र बेहतर विकल्प हैं। लुधियाना पश्चिम के लोग आशु के अहंकार को बखूबी जानते हैं।

सम्पादकीय

हमास को बागी योद्धाओं से नष्ट कराने की तैयारी में इजराइल

इजराइल सर्वशक्ति संपन्न होते हुए भी हमास का खत्मा नहीं कर पाया। पिछले कई महीनो से इजराइल और गाजा के बीच में युद्ध चल रहा है। इजराइल ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। हजारों लोग मारे जा चुके हैं। महिलाएं और बच्चे भी इस युद्ध में बड़ी संख्या में मारे गए हैं। गाजा में भुखमरी फैली हुई है। घायलों को अस्पताल में इलाज नहीं मिल रहा है। डॉक्टर नहीं हैं, दवाइयां नहीं है। छोटे-छोटे बच्चे आहार नहीं मिलने के कारण हजारों की संख्या में मारे गए हैं। इसके बाद भी इजराइल, हमास के योद्धाओं को खत्म नहीं कर पाया। पिछले 20 वर्षों से हमास का कब्जा गाजा पर है। इजराइल ने साम दाम दंड-भेद हर तरह के प्रयास कर लिए हैं। इसके बाद भी हमास का खत्मा नहीं हो पाया। इजराइल ने अब एक नई रणनीति तैयार की है। जिसके अनुसार हमास के बागियों को ही हमास को नष्ट करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पॉपुलर फोर्सेज के लीडर यासर अबू शबाब हैं। यह संगठन खुद को आतंकवाद मिटाने वाला संगठन बताता है। कई मानवाधिकार संगठन इसे लुटेरे और अपराधियों का संगठन मानते हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गाजा में हमास को जड़-मूल से समाप्त करने की जिम्मेदारी अब पॉपुलर फोर्स को दे दी है। इसे हमास संगठन के बारे में सभी जानकारी है। सभी ठिकाने और उनकी ताकत के बारे में जानकारी होने के कारण इजराइल की सरकार ने अब कांटा से कांटा निकालने की रणनीति अपनाई है। अबू शबाब का संगठन अभी छोटे-छोटे अपराधों में लिप्त था। इजराइल सरकार का समर्थन मिलने के बाद एकाएक इसकी ताकत बहुत बढ़ गई है। यह संगठन अभी दक्षिणी गाजा में सक्रिय है। इस संगठन के लोग फिलीस्तीनी झंडे और काउंटर टेररिज्म यूनिट की वर्दी पहनकर अपने आप को आतंकवाद को खत्म करने वाला संगठन बताते हैं। अनादि काल से फूट डालो और राज करो की नीति चली आ रही है। इस नीति के माध्यम से सत्ता पर कब्जा तो कर लिया जाता है, लेकिन सत्ता ज्यादा दिनों तक चलती नहीं है। इजराइल इतने लंबे समय के बाद भी जब हमास को नियंत्रित नहीं कर पाया। ऐसी स्थिति में अब उसने हमास के बागियों को हमास के खिलाफ उतार दिया है। इन्हें इजरायल की सेना द्वारा भारी मात्रा में हथियार और धन दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इजरायल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बैट ने जो कार्य योजना तैयार की है, उसको प्रधानमंत्री नेतन्याहू की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस कार्य योजना में हमास को पूरी तरह से खत्म करने के लिए नए उग्रवादी संगठन को पूरी ताकत के साथ खड़ा किया जा रहा है। हमास के लिए यह विभीषण साबित होंगे। सारी गोपनीय जानकारी यह इजराइल की सरकार को देंगे। संयुक्त रूप से हमास के खिलाफ अपनी लड़ाई को तेज करेंगे। इजराइल को लगता है, इस रणनीति के तहत इजराइल गाजा की लड़ाई को जल्द समाप्त कर देगा। इस समय सारी दुनिया में इजराइल-गाजा तथा रूस और यूक्रेन के बीच में जो युद्ध चल रहा है, वह काफी विनाशकारी साबित हुए हैं। ऐसी स्थिति में सारी दुनिया की चिंता इन दोनों युद्ध को समाप्त कराने की है। इसमें अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा अभी तक जो प्रयास किए हैं, उसमें कोई भी प्रयास सफल नहीं हुए हैं। गाजा में जिस तरह के हालात हैं, वह पूरी मानवता को शर्मसार करने वाले है। इजराइल, रूस और यूक्रेन के सामने आज सारी दुनिया के देश बेबस नजर आ रहे हैं। जो नेता सत्ता के सिंहासन में बैठे हुए हैं, वह इतने अहंकारी हो गए हैं। संवेदनशीलता जैसी कोई स्थिति उनमें देखने को नहीं मिल रही है। मानवता पूरी दुनिया में शर्मसार हो रही है। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग हाथ पर हाथ रख कर बैठा हुआ है। रेड क्रॉस जैसी संस्थाएं कहां चली गई, इसका भी पता नहीं लग पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद का जैसे कोई अस्तित्व ही नहीं रह गया है। निश्चित रूप से हमास इस समय सबसे कमजोर है। फिर भी वह अपनी लड़ाई लड़ रहा है। हमास के बागी कितना नुकसान पहुंचा पाएंगे यह भविष्य की गर्त में होगा। इतना तय है, हमास का अस्तित्व खत्म नहीं होगा। हां कुछ समय के लिए इजराइल को जरूर अपनी पीठ थपथपाने का मौका मिल जाएगा। जब सत्ता पर बैठे हुए लोग आतंकवाद को फैलाते हैं, तब मानव सभ्यता और मानव समाज को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। इसकी भरपाई आसानी से नहीं हो पाती है। हिंसा को कभी हिंसा के जरिए खत्म नहीं किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ और मानव अधिकार आयोग जैसे संगठनों की वर्तमान स्थिति में जिम्मेदारी बढ़ जाती है। धर्म गुरुओं को भी इस मामले में आगे आना चाहिए। कोई भी धर्म इस तरह की हिंसा का समर्थन नहीं करता है। विचारधारा और स्वतंत्रता को खत्म करना नामुमकिन है। एक दूसरे का सम्मान करके ही स्वतंत्रता और विचारधारा को पोषित किया जा सकता है। शांति के साथ जीवन जीने के लिए यह बात सभी को समझनी होगी।

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य तय करें

- ललित गर्ग

भारत एक ओर जहां लगातार तेज ग्रोथ करते हुए बीते दिनों जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे ब?ी इकोनॉमी बना, तो वहीं उपलब्धियों का सिलसिला जारी है और दुनिया इसका लोहा मान रही है। अब एक और खुश करने वाली रिपोर्ट आई है, जो विश्व बैंक ने जारी की है, जिसमें भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी की रोशनी है। आंक?ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करो? लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ?रूरत पर ?ोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को ब?ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को ब?ाया है।

डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करो? से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करो? से घटकर 7.52 करो? रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे ब?ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांच ब? राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। इन पांच राज्यों ने ही 2022-23 तक गरीबी कम करने में दो-तिहाई का योगदान दिया है।

विश्व बैंक ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत से गरीबी उन्मूलन की योजनाओं एवं सोच से प्रेरणा लेने की बात कही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 45 प्रतिशत आबादी गरीबी में है। भारत की गरीबी दर 5.3 प्रतिशत और पाकिस्तान की 42.4 प्रतिशत है। इसका सबसे ब?ा कारण पाक अपना सारा ध्यान आतंकवाद एवं आतंकवादियों के पोषण पर देता है, गरीबी दूर करना उसकी योजनाओं एवं नीतियों में दूर-दूर तक नहीं है। इसीलिये भारत ने वैश्विक मंचों पर पाक पर यह आरोप भी लगाया है कि वह अंतराष्ट्रीय सहायता का दुरुपयोग आतंकवाद को ब?ावा देने के लिए कर रहा है। भारत ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे पाक को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा करें, क्योंकि इसका उपयोग आम लोगों के कल्याण के बजाय सैन्य खर्च और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा है। हाल के पहलगाम हमले के बाद भारत ने इस मुद्दे को और जोरदार तरीके से उठाया, जिसमें उसने पाक के सैन्य बजट में 18 प्रतिशत वृद्धि और सामाजिक कल्याण पर कम खर्च को उजागर किया। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पी?ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी ब?ा अवरोध है। पाक में यही स्थितियां देखने को मिल रही है।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की ब?ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय ब?ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच ब?ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में ब?ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। गरीबी-अमीरी के बीच के ब?ते फासले को कम करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में ब?ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। भारत में गरीबी का मुख्य कारण ब?ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रू?िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। अब तक यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा बनी रही है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए थी।

देश में लगातार घटती गरीबी एवं बढ़ती धनाढ्यों की संख्या

-प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थान अब यह स्पष्ट रूप से मानने लगे हैं कि विश्व में भारत की आर्थिक ताकत बहुत तेजी से बढ़ रही है। हाल ही में जारी किए गए एक सर्वे रिपोर्ट में यह बताया गया है कि भारत में पिछले बीते वर्ष में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या एवं उनकी संपतियों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि विश्व के कई देशों विशेष रूप से विकसित देशों में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या एवं इनकी सम्पत्ति में वृद्धि दर लगातार नीचे गिर रही है। इसलिए आश्य तो अब यही लगाया जा सकता है विश्व में आर्थिक शक्ति अब पश्चिम से पूर्व की ओर स्थानांतरित हो रही है।

भारत में जिस व्यक्ति की शुद्ध सम्पत्ति 5 करोड़ रुपए या उससे अधिक होती है उसे उच्च नेटवर्थ व्यक्ति (॥द्धद्व्ह्व) कहा जाता है। पिछले वर्ष भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की औसत सम्पत्ति 8.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जबकि विश्व में यह औसतन 2.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। इसका परिणाम यह हुआ है कि भारत में मिलिनेयर्स की संख्या बढ़कर 378,810 हो गई है और इनकी कुल सम्पत्ति 1.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्थात 129 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। वर्ष 2024 में भारत में 4,290 अल्ट्रा उच्च नेटवर्थ व्यक्ति निवास कर रहे थे, जिनकी कुल सम्पत्ति 53,477 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी। अल्ट्रा उच्च नेटवर्थ व्यक्ति उस नागरिक को कहते हैं जिसकी शुद्ध सम्पत्ति 3 करोड़ अमेरिकी डॉलर अथवा उससे अधिक होती है। भारत में तो उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या बढ़ी है परंतु यूरोप में इनकी संख्या 2.1 प्रतिशत घटी है। ब्रिटेन में 14,000, फ्रान्स में 21,000, जर्मनी में 41,000 उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या घटी है। एशिया प्रशांत क्षेत्र में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या 1.7 प्रतिशत बढ़ी है तो लेटिन अमेरिका में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या 8.5 प्रतिशत घटी है। साथ ही, मध्य पूर्व में भी उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या में 2.1 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। क्या भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की बढ़ती संख्या एवं इनकी बढ़ती सम्पत्ति से भारत में कहीं आर्थिक असमानता के गहराने का संकट तो खड़ा नहीं हो रहा है। हालांकि

भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की बढ़ती सम्पत्ति, भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत का प्रतीक भी है। परंतु, यदि इस बढ़ी हुई सम्पत्ति का लाभ समाज के समस्त नागरिकों को नहीं मिल पा रहा है तो यह सोचनीय प्रश्न अवश्य है। इसी संदर्भ में हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में अतुलनीय रूप से कमी दर्ज की गई है। यह भारत के लिए निश्चित ही बहुत अच्छी खबर हो सकती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 34.44 करोड़ नागरिकों से घटकर 7.52 करोड़ नागरिक रह गई है। भारत में लगभग 27 करोड़ नागरिकों को अत्यधिक गरीबी से ऊपर ले आया जा सका है। विश्व बैंक की उक्त रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011-12 में भारत की कुल जनसंख्या का 27.1 प्रतिशत नागरिक अत्यधिक ग़रीबी में जीवन यापन करने को मजबूर था परंतु वर्ष 2022-23 आते आते यह संख्या घटकर मात्र 5.3 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है, जबकि, इस बीच भारत की जनसंख्या में भी वृद्धि हुई है। यह भारत में तेज गति से विकसित किए गए रोजगार के अवसरों के चलते सम्भव हो सका है। इस संदर्भ में विशेष रूप से केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं के लाभ को देश की अधिकतम जनसंख्या तक पहुंचाने के कारण भारत में बहुआयामी गरीबी को कम करने में अपार सफलता हासिल की जा सकी है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक वर्ष 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 15.5 प्रतिशत तक नीचे आ गया है। आगे आने वर्षों में भी यदि इसी प्रकार से आर्थिक विकास दर भारत में लागू रहती है तो बहुत सम्भव है कि कुछ ही वर्षों के उपरांत संभवतः भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाला एक भी नागरिक शेष नहीं रहेगा। विश्व बैंक की उक्त रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी को कम करने में लगभग एक जैसी सफलता मिली है। इसी का परिणाम है कि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी दर आज 18.4 फीसदी से घटकर 2.8 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह से शहरी क्षेत्रों में भी अत्यधिक गरीबी दर जो 10.7 फीसदी के करीब थी, वह घटकर सिर्फ 1.1 पर आ गई है। इसी तरह का एक व्या पक अंतर ग्रामीण-शहरी जीवन के आर्थिक व्वहार में भी दूर हुआ है, यह अंतर 7.7 फीसदी से घटकर सिर्फ 1.7 प्रतिशत पर आ पहुंचा है। विशेष रूप से महिलाओं के बीच रोजगार के अवसरों में अतुलनीय वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। ग्रामीण इलाकों में कृषि के क्षेत्र में महिलाओं को रोजगार के अवसरों में वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में शहरी क्षेत्रों के बेरोजगारी की दर 6.6 प्रतिशत तक नीचे आ गई है, जो वर्ष 2017-18 के बाद से सबसे कम है। भारत में गरीबी दूर करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों ने मिलकर काम किया है। इस सम्बंध में विशेष रूप से केंद्र सरकार द्वारा कई योजनाएं लागू की गई हैं। इन महत्वपूर्ण एवं विशेष योजनाओं में शामिल हैं - प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना, जैसी अनेक योजनाओं ने देश में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों को बहुत अधिक लाभ पहुंचाया है, जिससे इन्हें गरीबी रेखा के ऊपर लाया जा सका है।

विदेशों में श्रीराम कथा एवं श्रीहनुमानजी की कथा का प्रभाव

-डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

श्रीरामकथा के साथ-साथ हनुमानजी की कथा भी भारत की सीमाओं को पार कर महासागरों के उस पार सुदूर देशों में व्याप्त हो रही है जो कि आज भी वहाँ देखने को मिल जाती है। यह देखने में आया है कि भारत के बाहर विदेशों में श्रीरामकथा की दो धाराएँ प्रवाहित दिखाई देती हैं। प्रथम तो यह जिसमें श्रीराम का स्वरूप भगवान् के रूप में निरूपित किया गया है। दूसरी धारा में वह जिसमें एक महापुरुष का रूप बताया गया है। भगवान का रूप मानने की विचारधारा वस्तुतः भारत की है जो भारतीयों के माध्यम से वहाँ तक पहुँच गई। दूसरी धारा श्रीरामकथा की अद्वितीय मानवीयता की सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय कथा है दूसरी धारा जो कि दक्षिण पूर्व एशिया के देशों की है जिन्होंने सैक?ों नहीं सहस्त्रों वर्ष पूर्व श्रीरामकथा की श्रेष्ठता से प्रभावित होकर अपने साहित्य में स्थान देकर स्वीकार कर लिया तथा स्थानीय संस्कृति के रंग में रंगकर उनके सामाजिक जीवन में उतार लिया। हर देश में श्रीरामकथा अपने संस्कृति में रंग ली है। बर्मा, थाईलैण्ड, कम्बोडिया, लाओस, मलेशिया और इंडोनेशिया में से अपनी-अपनी श्रीरामकथा एवं अलग प्रसंगों सहित देखने को मिलते हैं। प्रथम विचारधारा अपेक्षाकृत नवीन है जिसकी अवधि लगभग 150 से 200 वर्षों से अधिक पुरानी नहीं है। यह विचारधारा भारत के परतंत्रता के उस दुर्भाग्य का प्रतीक है जब मारीशस, फिजी, गयाना, टिनिडाड, सूरीनाम आदि सुदूर द्वीपों के गोरे उद्योगपति उत्तरप्रदेश, बिहार आदि भारतीय प्रदेशों के सीधे-सादे, भोले-भाले और गरीब निवासियों को रोजी रोटी देने का लालच देकर वहाँ से ले जाते थे और वहाँ ले जाकर इनसे पशुओं की तरह काम लेते, इनका आर्थिक शोषण करने के साथ ही साथ निर्दयता का तथा अमानवीय व्यवहार भी करते थे। इन निर्धन और अशिक्षित भारतीयों को गोरे लोग अपने एजेंटों के माध्यम से इनके प्रान्तों से सुदूर द्वीपों को ले जाते थे। इन विदेशों में जाने वालों के साथ कोई कीमती वस्तु न होकर श्रीरामचरितमानस (रामायण) और हनुमानचालीसा की एक-एक पुस्तकें होती थी। इनके निजी जीवन एवं सामूहिक जीवन में यही भक्ति एवं सामूहिक मनोरंजन के साधन थे। विदेशों में समुद्री यात्रा में बाधाएँ या तूफान आ जाने पर ये इन पवित्र ग्रन्थों का पारायण करते थे। कुछ वर्षों के उपरान्त ये भारतीय लोग कुली और मजदूर बनकर कार्य करने लगे। जब कभी ये गोरे उन पर अत्याचार करते तो यह भगवान श्रीराम एवं श्री हनुमानजी की शरण में चले जाते तथा दुःख एवं वेदना भूल जाते थे। उनकी व्यथा और वेदना यह लगभग एक से दो शताब्दी तक इनकी पी?ियों ने भोगी, किन्तु साहस और धैर्य खोया नहीं। इसका पूरा-पूरा श्रेय रामायण (श्रीरामचरितमानस) एवं हनुमानचालीसा को ही है। आज ये सब देश स्वतंत्र देश के रूप में हैं तथा इनके साथ ही साथ हमारे ये भोले-भोले भाई भी स्वतंत्र हैं। वर्तमान में कुछ देशों में इन भारतीयों ने प्रधानमंत्री, मंत्री तथा शासकीय बड़े-बड़े पद प्राप्त कर लिए हैं किन्तु इन्होंने अपनी रामायण एवं हनुमानचालीसा का कभी भी विस्मरण नहीं किया। देखने में आया है कि वर्तमान में भी मारीशस के ग्रामीण एवं शहरी घरों पर लाल रंग की झंडिया फहराती हुई दिखाई देती है जो कि हनुमानजी के भक्त होने का संकेत है। इनके स्थानों पर श्रीराम एवं हनुमानजी के मंदिरों की स्थापना भी कर दी गई है।

इण्डोनेशिया में दसवीं शताब्दी में वहाँ के महाराज बलितुङ्गे प्राम्बानन में विशाल शिवालय का निर्माण करवाया। इसका शिखर 140 फुट ऊँचा और लगभग 244 मंदिरों से घिरा है। इस शिवालय का यह प्रमुख विशेषता है कि इसके प्रदक्षिण पथ में सम्पूर्ण रामायण उत्कीर्ण है। आज इसकी विश्व के प्राचीनतम कला का श्रेष्ठ उदाहरण है। श्रीराम भक्त हनुमानजी का इसमें अनेक बार चित्रण देखने को मिलता है। इण्डोनेशिया में आज भी रामायण का अभिनय बहुत अधिक ख्यातिप्राप्त तथा लोकप्रिय है। कम्बोडिया में भी रामायण लोकप्रिय और व्यापक रूप से प्रसारित है। यहाँ रामकीर्ति के नाम से श्रीरामकथा सौ खण्डों में प्रकाशित हुई है। श्रीरामजी एवं हनुमानजी आज घर-घर में सुशोभित है। थाईलैंड में 13वीं शती में महाराजा ने थाई भाषा में काव्य लिखकर रामायण को थाई साहित्य को महत्वपूर्ण स्थान दिया। इसके अतिरिक्त कई थाईलैण्ड के राजाओं ने भी श्रीरामकथा के थाई रूपान्तर लिखे हैं। वर्तमान में हनुमानजी से सम्बन्धित प्रसंगों का थाईलैण्ड में अभिनय देखने को मिलता है।

आज भी वर्णित इन देशों में श्रीराम के संदेशवाहक और श्रेष्ठ दूत के रूप में हनुमानजी को स्थापित किया गया है। श्रीरामलीला, नृत्य नाटकों में श्रीराम एवं हनुमानजी का चित्रण देखने को मिलता है। प्रवासी भारतीयों ने अपने-अपने मंदिरों में श्रीहनुमानजी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की है। अतः यही कहना पर्याप्त है कि जहाँ श्रीराम हैं, वहाँ हनुमानजी भी विराजमान होते हैं। हिन्देशिया की प्राचीनतम राम सम्बन्धी साहित्यिक रचना, रामायण ककविन'' है जो दसवीं शताब्दी की मानी जाती है, स्यामदेश में श्रीरामकथा, रामकियेन'' (अर्थात् रामकीर्ति) के नाम से प्रसिद्ध है।

11 सालों से पीएम मोदी के नेतृत्व में विकास की ऊंचाइयों को छू रहा भारत - पीयूष गोयल

नई दिल्ली 12 जून (निस) केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते 11 सालों से भारत के सबसे परिवर्तनकारी समय में से एक का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके प्रयासों के कारण आज देश अर्थव्यवस्था से लेकर तकनीक तक और समाज से लेकर समावेशी विकास तक हर क्षेत्र में नया इतिहास रच रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 11 साल पहले जहां देश हर तरह से पिछड़ा हुआ था, वहीं मोदी सरकार के दौरान भारत विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है और उनकी सरकार की नीतियों में आए दूरगामी बदलावों से समाज का कोई भी वर्ग अछूता नहीं रहा है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, यह सिर्फ मंत्र नहीं बल्कि नए भारत की ताकत है। भारत के दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने पर केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में भारत तेजी से विकास, व्यापक बदलाव और जन भागीदारी के साथ दुनिया का नेतृत्व करते हुए विकसित बनने की राह पर अग्रसर है। आईएमएफ ने बीते महीने अपनी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2025 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर कदम बढ़ा चुका है। इस दौरान देश की जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है और अगले दो वर्षों में 6 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करने वाला एकमात्र देश है। उच्च विकास दर के कारण भारत की जीडीपी 2028 में 5,584.476 बिलियन डॉलर हो जाएगी, और देश जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

पूर्व सीएम दिग्विजय के भाई एवं पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह कांग्रेस ने निष्कासित

नई दिल्ली, 12 जून (निस) मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के छोटे भाई और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह कांग्रेस पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिए गए। लक्ष्मण सिंह के विवादित बयानों और पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर कांग्रेस अनुशासन समिति ने यह कड़ा कदम उठाया है। दरअसल लक्ष्मण सिंह ने पार्टी विरोधी गतिविधियों को जारी रखते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, विशेष रूप से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और रॉबर्ट वाड्रा समेत जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला के खिलाफ विवादित टिप्पणियां कीं थीं। यहां बताते चलें कि पूर्व कांग्रेस सांसद और दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ने बीते दिनों विवादास्पद बयान देते हुए राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर जमकर निशाना साधा था। लक्ष्मण सिंह ने सीएम उमर अब्दुल्ला पर आतंकवादियों से मिले होने का गंभीर आरोप लगाया था। इसके अतिरिक्त उन्होंने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए यहां तक कह दिया था कि पार्टी के नेताओं को सोच-समझकर बोलना चाहिए, नहीं तो उन्हें चुनाव में इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। इसके साथ ही लक्ष्मण सिंह ने यह भी कह दिया, कि यदि पार्टी को मुझे निकालना है तो आज ही निकाल दे। इस बयान को कांग्रेस अनुशासन समिति ने पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाला करार दिया है। दरअसल लक्ष्मण सिंह के इस बयान के बाद हाल ही में जब राहुल गांधी भोपाल में संगठन की बैठक लेने पहुंचे तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि पार्टी के खिलाफ बोलने और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने वालों पर कार्रवाई होगी। अब चूंकि लक्ष्मण सिंह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सहंह के छोटे भाई हैं तो इस कार्रवाई को बड़ी कार्रवाई बताया जा रहा है।

जेल में हुई दोस्ती, खुद को बताया फौजी, बाहर आकर नौकरी के नाम पर ठगा

धर्मशाला, 12 जून (निस) हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के खनियारा गांव में एक शख्स ने खुद को सेना का अधिकारी बताकर कई युवाओं से नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी की। लोगों ने आरोपी को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी पालमपुर के पचरुखी गांव का रहने वाला रमेश डोगरा है। वह खुद को सेना का अधिकारी बताकर युवाओं को सेना में भर्ती करवाने का भरोसा देता था। कुछ पीड़ितों ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। जानकारी के मुताबिक आरोपी रमेश डोगरा युवाओं के अभिभावक से सेना में भर्ती करवाने के नाम पर 50 हजार रुपए की मांग करता था। एक पीड़ित युवक के पिता ने आरोपी के झांसे में आकर उसे 11 हजार रुपए दे दिए, लेकिन जब उन्होंने रकम वापस मांगी तो रमेश भागने लगा। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उसकी आरोपी रमेश से धर्मशाला जेल में पहचान हुई थी। दोनों किसी आपराधिक मामले में वहां बंद थे। जेल में ही रमेश ने शक्तिचंद का फोन नंबर लिया और जेल से रिहा होने के बाद संपर्क किया। इसके बाद उसने सेना में नौकरी दिलवाने का लालच देकर ठगी को अंजाम दिया। जब पीड़ित ने रमेश से 11 हजार रुपए वापस मांगे तो आरोपी भागने लगा तो स्थानीय लोगों ने उसे दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। उसके पास से फर्जी जॉयनिंग लेटर और अन्य संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस अब आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड और किसी गिरोह से संबंधों की भी जांच कर रही है। एएसपी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि हम इस मामले में हर पहलू की गहन जांच कर रहे हैं।

क्रिकेटर शुभम पाण्डेय एवं ग्रामीणों के सहयोग से हुआ गरीब की बेटी का भव्यता से विवाह

बस्ती 12 जून (निस) कबाड बेचकर जैसे-तैसे जिन्दगी की गाडी खीच रहे रामनगर विकास खण्ड क्षेत्र के चन्दोखा निवासी विजय चौहान के सामने बेटी मीनू चौहान के हाथ पीले करने की बड़ी चुनौती थी। उसे यह चिन्ता सताये जा रही थी कि मीनू का विवाह कैसे होगा। जब इसकी सूचना गांव के ही चन्दोखा एक्सप्रेस के नाम से लोकप्रिय क्रिकेटर शुभम पाण्डेय को मिली तो वे सहयोग के लिये आगे आये। 10 जून मंगलवार को मीनू चौहान पूरी भव्यता से हुई। विवाह में सारे गामा पा शो के विजेता आशी मिश्रा और अभिषेक पाण्डेय ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का दिल जीत लिया। पिता विजय चौहान की आंखों में खुशी के आंसू थे। क्रिकेटर शुभम पाण्डेय के साथ ही पूरा गांव इस विवाह का साक्षी बना। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद चौधरी ने व्यवस्था में योगदान दिया। लोगों ने वर- बधू मीनू और अक्षय को जीवन से जुड़े उपहार देने के साथ ही बारातियों की खूब खातिरदारी किया।

कार्यकाल के अंतिम दिन सीएमएचओ भोपाल डॉ. तिवारी ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ की बैठक

भोपाल 12 जून (निस) सीएमएचओ भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी द्वारा कार्यकाल के अंतिम दिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ली गई। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं को निरंतर रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने डॉ. तिवारी को नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी।

अब राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में संभालेंगे दायित्व

डॉ. तिवारी आज राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश कार्यालय में नवीन पदभार ग्रहण करेंगे। शासन द्वारा इनका प्रमोशन करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय में वरिष्ठ संयुक्त संचालक बनाया गया है। उनके स्थान पर डॉ. मनीष शर्मा को भोपाल सीएमएचओ बनाया गया है। डॉ. प्रभाकर तिवारी को 5 साल पूर्व कोविड की विषम परिस्थितियों के बीच में भोपाल सीएमएचओ का प्रभार दिया गया था,इस दौरान उन्होंने राज्यस्तरीय अधिकारियों और जिला प्रशासन के सहयोग से महामारी नियंत्रण में उल्लेखनीय कार्य किया था।

कम्युनिटी बेस्ड एप्रोच की निरंतरता को बनाए रखना जरूरी

विभागीय बैठक में डॉ. तिवारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा अंत्योदय की अवधारणा के अनुरूप श्रमिक पीठों, रैन बसेरों, तंग बस्तियों, घरों में काम करने वाले दीदियों, स्वच्छता कर्मियों, बस ड्राइवर, कंडक्टर्स, वृद्धाश्रमों, जेल बंदियों, न्यूज पेपर हॉकर्स तक पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं दी गईं हैं। इन हितग्रहियों का निरंतर फॉलोअप आवश्यक है।

पिछले 5 सालों में संजीवनी क्लीनिक की संख्या दो गुना से भी अधिक हुई हैं। बड़े अस्पतालों के ओ पी डी लोड को कम करने के लिए स्थानीय लोगों को सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए इन स्वास्थ्य संस्थाओं में आने के लिए प्रेरित किया जाए। प्रशिक्षणों से प्राप्त जानकारी का उपयोग सेवाओं की बेहतरी के लिए हो।

डॉ. तिवारी ने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गांधी मेडिकल कॉलेज, निजी मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञों से प्राप्त जानकारी का उपयोग स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए किया जाए। विभाग द्वारा सुसाइड प्रीवेंशन के लिए गेटकीपर्स ट्रेनिंग, नगर निगम के साथ डॉग हैंडलर्स ट्रेनिंग, एम्स के साथ पेलेटिव केयर, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य जैसे कई महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम भी किए गए हैं।

सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ा सीएमएचओ कार्यालय

पिछले कुछ सालों में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल ने सामाजिक सरोकारों से जुड़कर भी सेवाओं का विस्तार किया है। इसके तहत अंगदान को बढ़ावा देने के लिए अंगदान करने वालों के परिजनों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उपचार से स्वस्थ हुए बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने और उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, क्रिकेट मैच सहित विभिन्न कार्यक्रम करवाए गए। गैर शासकीय संगठनों का सहयोग लेकर मोबाइल वेन से आई स्क्रीनिंग, चश्मा वितरण, वृद्धजनों के लिए फिजियोथेरेपी, डेंगू मलेरिया जागरूकता, घर बैठे ऑनलाइन ओपीडी अपाइंटमेंट सिस्टम शुरू किया गया। सीएमएचओ कार्यालय की विशाल तिरंगा यात्रा, रहवासी समितियों में आयुष्मान शिविर, धार्मिक- सामाजिक आयोजनों में स्वास्थ्य शिविर की सेवाएं दी गई हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सहित अनेक राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में स्वास्थ्य विभाग ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पीएमश्री एयर एम्बुलेंस की सेवाओं आमजन तक पहुंचाने, प्राइवेट स्कूलों में आर बी एस के टीम द्वारा स्क्रीनिंग शुरू की गई है। जिले की 35 स्वास्थ्य संस्थाओं का नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के तहत प्रमाणीकरण हुआ है। इनमें से कोलुआ कला को देश भर में सर्वाधिक अंकों के साथ यह सर्टिफिकेट मिला है।

बीरगांव में प्रसूता की मौत का मामला

शहरी समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीरगांव में साक्षी निषाद का मंगलवार को प्रसव पश्चात मृत्यु होने पर परिजनों द्वारा लापरवाही की गई शिकायत की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने तत्काल ही आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं डॉ प्रियंका शुक्ला से बात की और जांच करने की बात कही। आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा जाँच कमेटी गठित की गई है। इस चार सदस्यीय जांच दल में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव वोहरा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ निर्मला यादव, एनेस्थिसिया विशेषज्ञ चंद्रा राव और नोडल अफसर मातृत्व शाखा डॉ प्रीति नारायण शामिल हैं। जांच दल को परिजनों की शिकायत के आधार पर 3 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट सीएमएचओ को देने को कहा गया है।

चांदनी चौक की लौटेगी गरिमा! सांसद फिर से व्यापार का केंद्र बनाएंगे प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली 12 जून (निस) देश की ऐतिहासिक धरोहर और कभी व्यापार का केंद्र रहे चांदनी चौक की खोई हुई गरिमा फिर से लौटेगी। इसे जल्द से जल्द हकीकत का रूप दिया जा सके, इसके लिए सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने इस पहल का बीड़ा उठाया है। जिसे अंजाम देने के लिए उन्होंने पैदल ही चांदनी चौक इलाके का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ, डीसी सिटी, डीसीपी नॉर्थ, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, डूसिब, बीएसईएस, और शाहजहानाबाद पुनर्विकास प्राधिकरण समेत कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। चांदनी चौक को फिर से भारत के प्रमुख व्यावसायिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से किये इस दौरे की शुरुआत लाल किले के पास गौरी शंकर मंदिर से हुई। यह निरीक्षण कुतुब रोड और बड़ा टूटी चौक होते हुए सदर बाजार तक चला। खंडेलवाल ने निरीक्षण के दौरान अतिक्रमण, अव्यवस्था और नागरिक सुविधाओं की खामियों पर काफी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज चांदनी चौक समन्वयहीनता का शिकार है। समय आ गया है कि हम इसे फिर से गौरवशाली बनाएं। फुटपाथों और सड़कों पर पसरे अतिक्रमण, खासकर फतेहपुरी मस्जिद चौक और शीशगंज गुरुद्वारे के आसपास, को लेकर सांसद ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फुटपाथों पर लगाए गए शेड, कूलर और अन्य अतिक्रमण पैदल चलने वालों के लिए खतरा बन चुके हैं। इसी क्रम में कुतुब रोड रेलवे ब्रिज और सदर बाजार क्षेत्र में भी अतिक्रमण हटाने के निर्देश मौके पर ही दिए गए। सांसद ने शाहजहानाबाद पुनर्विकास निगम का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ पुनर्विकास प्राधिकरण रखने का सुझाव दिया, जिससे क्षेत्र का विकास ऐतिहासिक विरासत के साथ भविष्य की जरूरतों के अनुरूप हो सके। उन्होंने चांदनी चौक के पुनर्गठन को केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित न रखकर इसे व्यवस्थित व्यापार, पर्यटन और जनसुविधाओं से जोड़ने की बात कही। निरीक्षण के दौरान चांदनी चौक के प्रमुख व्यापारिक संगठनों, दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन, खारी बावली किराना कमेटी, सदर बाजार व्यापारी संघ, के प्रतिनिधियों ने भी अपनी भागीदारी दर्ज कराई। इस दौरान सांसद खंडेलवाल ने घोषणा की कि क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के साथ विशेष बैठक जल्द बुलाई जाएगी।

महिला मण्डल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भजन मण्डली को वितरित किए बाज यंत्र

सिरोंज 12 जून (निस) नगर के लिंक रोड स्थित श्याम बाटिका गार्डन में महिला मण्डल द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश की वरिष्ठ समाजसेविका एडवोकेट लक्ष्मी मीणा,एडवोकेट श्रीमति अपूर्वा सिंह,महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमति रानी साहू उपस्थित रही। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एडवोकेट लक्ष्मी मीणा ने अपने स्वंय के व्यय पर सिरोंज के पांच महिला मण्डलो को बाध यंत्र भेंट किए। जिमसें ढोलक मजीरे आदि शामिल है। इस मौके पर पत्रकारो का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। तो वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजसेविका एडवोकेट लक्ष्मी मीणा ने कहा कि मेरे द्वारा जो महिला मण्डलो को बाध यंत्र सौंपे जा रहे है इसके माध्यम से महिलाएं स्वलंबी बनेगी और रोजगार की दिशा में अपना रोजगार प्रारंभ कर रखेगी। उन्होने कहा कि महिलाएं अपना समूह बनाकर सिलाई बुनाई सेंटर,अगरबत्ती उद्योग सहित छोटे छोटे लघु उद्योग डालकर अपना स्वंय का व्यवसाय प्रारंभ कर सकती है। ऐसी महिलाओं का मै पूर्ण रूप से सहयोग करूगी। वही उन्होने देवी अहिल्या बाई का उदाहरण देते हुए कहा कि हर महिला को आगे बडना चाहिए। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की महिलाओ के सम्मान के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। विगत दिनो पूर्व ऑपरेशन सिंदूर में भी हमारे भारत की महिलाओं ने देश की रक्षा के लिए अहम भूमिका निभाई। जिससे आज भारत का हर नागरिक अपने घरो में चैन की नींद सो पा रहा है। सिरोंज जिला बना तो महिलाओं के लिए खुलेगे रोजगार के द्वार - तो वही एडवोकेट श्रीमति अपूर्वा सिंह ने सिरोंज को जिला बनाने के लिए मात्र शक्ति को संकल्प और शपथ दिलाई कि हम भी सिरोंज को जिला बनाने के लिए पूरा संघर्ष करेगें। तो वही कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं ने संकल्प लेते हुए कहा कि सिरोंज को जिला बनाने के लिए हम पूर्ण रूप से संघर्ष करेगें। जिस पर एडवोकेट श्रीमति अपूर्वा ने कहा कि यदि सिरोंज बनता है तो सिरोंज में विकास के द्वार खुलेगें और महिलाओं के लिए रोजगार के रास्ते भी खुलेगें। इस मौके पर सिरोंज पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष एंव आईजा के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजीव जैन सैनानी ने कहा कि महिला मण्डल द्वारा जो पत्रकारो का सम्मान किया गया है। हम सभी महिलाओं के आभारी है। एडवोकेट लक्ष्मी मीणा ने हमेशा क्षेत्र की महिलाओ के रोजगार के संबंध में सशक्त कदम उठाती है। साथ ही अनेको महिलाओं को रोजगार भी दिलाया है और वर्तमान में भी अन्य महिलाओं के लिए रोजगार दिलाने के लिए वह लडाई लड रही है। श्री सैनानी ने कहा कि एडवोकेट लक्ष्मी मीणा द्वारा सिरोंज को जिला बनाने में समय समय पर भोपाल,विदिशा पहुचकर प्रशासन से जिला बनाने की मांग को सशक्त किया है। वही महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमति रानी साहू द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जो पत्रकारो का मान सम्मान बडा है। मै सिरोंज पत्रकार महासंघ का अध्यक्ष होने के नाते में उनका आभार व्यक्त करता हूं। श्रीमति रानी साहू जमीनी स्तर से महिलाओं के हितो की लडाई लडती आई है। साथ ही महिलाओं का आत्मा विश्वास बडाकर अनेको महिलाओं को रोजगार प्रदान कराने में अहम भूमिका निभा रही है।

हाशिम बाबा गैंग का कुख्यात सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली 12 जून (निस) दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल हाशिम बाबा गैंग के कुख्यात सदस्य अमन उर्फ मेहताब और गैंग के लीडर हाशिम बाबा की पत्नी जोया खान को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई में तीन ऑटोमेटिक पिस्टल, 4 जिंदा कारतूस और डेढ़ लाख रुपये नगद बरामद किए गए हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट से जुड़े कई मामले पहले से भी दर्ज है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल काफी लंबे समय से हाशिम बाबा गैंग की एक्टिविटी पर नजर रख रही थी। इसी बीच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को खुफिया सूचना मिली की कुख्यात बदमाश अमन के लिए हथियारों की सप्लाई करने वाला है। इसके आधार पर दिल्ली पुलिस की टीम दिन वेलकम इलाके में मदर डेयरी के पास प्लान बनाकर बदमाश अमन को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस को उसके पास से एक सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल और चार कारतूस बरामद किए गए। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। दिल्ली पुलिस की पूछताछ में अमन ने खुलासा किया कि उसकी बहन जोया ने हथियारों से भरा एक बैग सुभाष पार्क एक्सटेंशन में रहने वाली एक महिला को सौंपा था। दिल्ली पुलिस ने उसकी निशानदेही पर तुरंत छापेमारी कर उसे बैग से दो और पिस्टल के साथ डेढ़ लाख रुपये नगर बरामद किए। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने जोया खान जो हाशिम बाबा की पत्नी है। उसको भी इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस इस पूरे मामले में अब जांच में जुट गई है। दिल्ली पुलिस यह पता लगा रही है कि हाशिम बाबा की पत्नी जोया खान इस गैंग को कैसे चला रही थी। साथ ही पुलिस इस गैंग के सक्रिय सदस्यों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की बढ़ती फीस पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली 12 जून (निस) दिल्ली की बीजेपी सरकार ने प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस पर नियंत्रण के लिए बड़ा कदम उठाया है। दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई आठवीं कैबिनेट बैठक में स्कूल फीस को लेकर बड़ा फैसला लिया गया। कैबिनेट बैठक की जानकारी देते हुए दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि आज कैबिनेट बैठक में प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए महत्वपूर्ण फैसले लिए गए और दिल्ली सरकार ने प्राइवेट स्कूलों की फीस पर नियंत्रण लगाने के किए अध्यादेश लाने के लिए मंजूरी दे दी है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा आज कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब अध्यादेश का प्रस्ताव और मसौदा दिल्ली उपराज्यपाल को भेजा जाएगा और फिर उपराज्यपाल की अध्यादेश को राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजेंगे। इसके बाद फिर राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने पर दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों की फीस पर लगाम लगाने वाला अध्यादेश दिल्ली में लागू हो जाएगा। साथ ही दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने जानकारी दी दिल्ली सरकार का स्कूली फीस पर नियंत्रण लगाने वाला आदेश एक अप्रैल 2025 से यानी पूर्वव्यापी रूप से प्रभावी होगा। शिक्षा मंत्री आशीष सूद के मुताबिक दिल्ली सरकार का स्कूलों की फीस पर लगाम लगाने का अध्यादेश अभिभावकों के लिए खासा लाभदायक होगा और स्कूल अपनी मर्जी से फीस नहीं बढ़ा सकते हैं। बता दें कि दिल्ली सरकार अध्यादेश को पूर्वव्यापी तरीके से 1 अप्रैल 2025 से लागू कर रही है। ऐसे में इस सत्र में बढ़ाई हुई फीस स्कूलों को वापस करनी होगी। साथ ही अध्यादेश में मौजूद नियमों के आधार पर ही प्राइवेट स्कूलों को फीस बढ़ाने की अनुमति होगी।

दिन भर तपे सूर्य देवता, रात में हुई तेज बारिश, तापमान में आई गिरावट

बालाघाट 12 जून (निस) जिले में पिछले तीन दिनों से झुलसा देने वाली गर्मी का एहसास हो रहा है। सोमवार को भी ऐसी ही स्थिति बनी रही। तापमान करीब 40 डिग्री पहुंच गया। दिन भर सूर्य देवता तपते रहे। लेकिन शाम होते ही मौसम में अचानक बदलाव हुआ। रात्रि में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। करीब एक घंटे तक हुई तेज बारिश से जहां तापमान में गिरावट आई। वहीं लोगों को गर्मी से राहत भी मिली। लेकिन इस दौरान डेढ़ घंटे से अधिक समय तक शहर अंधेरे में डूबा रहा। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम करीब 7 बजे से मौसम में धीरे-धीरे बदलाव हो रहा था। करीब 15 मिनट बाद तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश होने लगी। अचानक मौसम में आए बदलाव और बारिश के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। उल्लेखनीय है कि 2 जून को नौतपा समाप्त हो चुका है। बावजूद इसके गर्मी कहर बरपा रही है। दिन में तापमान करीब 40 डिग्री तक पहुंच रहा है, लेकिन गर्मी का एहसास 43 डिग्री के जैसा हो रहा है। गर्मी के कारण दिन में लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। मौसम विभाग की मानें तो आगामी दिनों में गर्मी और सितम ढाएगी, तापमान में और भी वृद्धि होने की संभावना है। सोमवार को भी सुबह से ही सूर्य देवता के तेवर तीखे दिखाई दिए। जैसे-जैसे समय गुजरता गया, वैसे-वैसे भीषण गर्मी शुरू हो गई। आसमान से आग बरस रही थी। नौतपा के बाद बढ़े हुए तापमान से लोग काफी परेशान है। नौतपा में नहीं तपे सूर्य देवता-नौतपा में इस वर्ष सूर्य देवता नहीं तपे। 25 मई से 2 जून तक चले नौतपा में तापमान करीब 30 से 31 डिग्री सेल्सियस तक आ गया था। नौतपा के दौरान तेज हवाओं के साथ बारिश से गर्मी का न तो एहसास हुआ और न ही लोगों को परेशानी हुई। इतना ही नहीं नौतपा समाप्त होने के बाद भी राहत थी, लेकिन अब धीरे-धीरे तापमान बढ़ने लगा है। सुबह से ही गरम हवाएं की लपटें चलने लग रही हैं। शहर में रहा ब्लेक आउट-सोमवार को रात्रि में आंधी-तूफान के साथ हुई बारिश के कारण बिजली गुल हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक शहर में ब्लेक आउट की स्थिति रही। आधे से अधिक शहर में बिजली नहीं थी। जबकि कुछेक क्षेत्रों में करीब एक घंटे बाद बिजली बहाल हो पाई। इधर, बारिश थमते ही विद्युत विभाग ने फाल्ट को खोजकर उसे दुरुस्त किया। जिसके बाद पूरे शहर में विद्युत आपूर्ति बहाल हुई।

स्मार्ट मीटर को लेकर बढ़ रही शिकायतें अफसर नकार रहे शिकायत

बुरहानपुर 12 जून (निस) पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को मूर्ख बनाकर जबरन स्मार्ट मीटर लगा चुका है जिन उपभोक्ताओं के घर स्मार्ट मीटर लगा चुके हैं तो अब बड़े हुए बिजली बिल को लेकर उपभोक्ता परेशान है पहले के लगे मीटर और वर्तमान में लगाए स्मार्ट मीटर में विद्युत खपत में बड़ा अंतर आया है जिस से उपभोक्ताओं के बिजली बिल बड़े हैं जिसको लेकर मंगलवार की जनसुनवाई में शिकायतें भी बढ़ गई अफसर इन शिकायतों की जांच करने के बजाय खपत को उचित बात कर मीटर सही होना बता रहे हैं। शहर स्मार्ट शहरों की श्रेणी में नहीं पर मीटर स्मार्ट लग रहे हैं इन मिटरो की स्थापना के साथ इन पर चेक मीटर भी नहीं लग रहे हैं जिससे स्मार्ट मीटर की प्रामाणिकता पर सवालिया निशान लग रहा है, स्मार्ट मीटर शिकायत को लेकर जनसुनवाई में पहुंचे राजपुरा वार्ड के पार्षद अहफाज़ मुज्जुमीर ने विद्युत विभाग के स्मार्ट मीटर को नामकरण करते हुए इसे सुपरफास्ट मीटर बताया है उनका कहना है कि स्मार्ट मीटर लगते ही उपभोक्ता का विद्युत बिल सुपरफास्ट हो गया है, 100 500 का बिल 2000 4000 तक पहुंच गया है जबकि यह बिल किसी धन्ना सेठ का नहीं बल्कि गरीब बीड़ी मजदूर बुनकर हम्माल का जिनके घर विलास की कोई वस्तु नहीं इस के उपयोग से विद्युत खपत बढ़ी है अगर विद्युत विभाग के वर्तमान मीटर सही है तो पुराने मीटर क्या गलत थे वह भी विभाग ने लगाए थे अगर वर्तमान मीटर सही है तो पुराने मीटर से होने वाले नुकसान का जिम्मेदार कौन ---? विद्युत उपभोक्ता तो वही है बदला है मीटर जिससे स्पष्ट है कि स्मार्ट मीटर सुपरफास्ट है जो अधिक खपत बताकर उपभोक्ता को लूटने का काम कर रहा है इन मिटरो को लगाना बंद करें अन्यथा शहर स्तर पर बड़ा आंदोलन होगा।

दिल्ली में गांजे के नशे में कैंची से गोदकर की हत्या

नई दिल्ली 12 जून (निस) दिल्ली के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की स्पेशल स्टाफ पुलिस ने प्रसाद नगर थाना इलाके में हुए एक ब्लाइंड मर्डर का महज कुछ घंटों के भीतर ही खुलासा कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है, जो मृतक युवक का दोस्त था। आरोपी की पहचान, रोशन लाल (23) के रूप में हुई है, जो रंजीत नगर के शादीपुर गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त धारदार कैंची और खून से सने आरोपी के कपड़े भी बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक, मामला 8 जून 2025 की सुबह का है, जब करीब 9:40 बजे प्रसाद नगर पुलिस को पीसीआर कॉल से करोल बाग के तिकोना पार्क गार्डन में एक अज्ञात युवक के खून से लथपथ अचेतड्ड अवस्था मे पड़े होने की सूचना मिली। इस सूचना पर तुरंत ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को आरएमएल अस्पताल लेकर गयी, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के शरीर पर कई जगह धारदार हथियार से वार किए जाने के जख्म पाए गए।

अंधविश्वास तथा आडम्बरों के घोर विरोधी थे संत कबीर

मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन देशाटन करने और साधु-संतों की संगति में व्यतीत कर दिया और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। अपनी बात लोगों को ब?ी आसानी से समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल था। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफी सरल और लोक भाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया।

मध्यकालीन युग के इन्हीं महान कवि संत कबीर दास जी की जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, जो इस वर्ष 11 जून को मनाई जा रही है। माना जाता है कि इसी पूर्णिमा को विक्रमी संवत् 1455 सन् 1398 में उनका जन्म काशी के लहरतारा ताल में हुआ था। संत कबीर सदैव क?वी और खरी बातें करने वाले ऐसे स्वच्छंद विचारक थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा, आडम्बरों की क?ी आलोचना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाने का भी साहसिक प्रयास किया।

संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने के बाद भी एक व्यक्ति वहां बैठा रहा। कबीरदास ने उस व्यक्ति से इसका कारण पूछा तो उसने उत्तर दिया, ''महाराज! मुझे आपसे कुछ जानना है। दरअसल मैं एक गृहस्थ हूं और परिवार में सभी लोगों से अक्सर मेरा झग?ा होता रहता है। मुझे समझ ही नहीं आता कि आखिर मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह किस प्रकार दूर हो सकता है?''

संत कबीर कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाते हुए कहा कि जरा लालटेन जलाकर लाओ! दोपहर का समय था और बाहर तेज धूप निकली हुई थी लेकिन उनकी पत्नी बिना कोई सवाल पूछे चुपचाप उनके कहेनुसार लालटेन जलाकर ले आई। वह आदमी भौंचक्का सा यह दृश्य देखते हुए विचार करने लगा कि आखिर संत ने इतनी दोपहर में भी लालटेन क्यों मंगाई है? कुछ मिनटों के बाद कबीरदास ने फिर पत्नी को आवाज लगाई और कहा कि जरा कुछ मीठा दे जाना। पत्नी आई और मीठे के बजाय थो?ी नमकीन रखकर चली गई। वह व्यक्ति सोचने लगा कि ये संत और इनकी पत्नी शायद पागल हैं, तभी दोपहर के समय लालटेन जलाते हैं और मीठे के बदले यहां नमकीन मिलती है। यही सोचकर उसने चुपचाप वहां से खिसकने के इरादे से कहा कि महाराज! मैं अब चलता हूं। लेकिन कबीरदास ने उससे पूछा कि आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी भी कोई संशय शेष है? उस व्यक्ति को कुछ समझ नहीं आया और वह आश्चर्य से उनकी ओर देखने लगा तो संत कबीर ने उसे समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मैंने दोपहर की रोशनी में भी लालटेन मंगवाई तो मेरी धर्मपत्नी मुझे ताना मारते हुए कह सकती थी कि मैं सठिया गया हूं, जो इस दोपहरी में भी लालटेन मंगवा रहा हूं लेकिन उसने सोचा कि अवश्य ही मुझे किसी काम के लिए लालटेन की जरूरत होगी। इसी प्रकार मेरे मीठा मंगवाने पर जब वह नमकीन देकर गई तो मैं भी उससे बहस कर सकता था लेकिन मैंने विचार किया कि संभवत: घर में कोई मीठी वस्तु नहीं होने पर ही वह नमकीन देकर गई है। आखिर गृहस्थ जीवन में ऐसे बातों को लेकर तकरार का क्या अर्थ? कबीरदास ने उसे गृहस्थ जीवन का मूल मंत्र समझाते हुए कहा कि अगर पति से कोई गलती हो जाए तो पत्नी संभाल ले और पत्नी से कोई गलती होने पर पति उसे नजरअंदाज कर दे। गृहस्थी में आपसी विश्वास से ही तालमेल बनता है और इससे विषम से विषम परिस्थिति भी स्वत: ही हल हो जाती है।

सच्चे साधु की पहचान

महात्मा बुद्ध ने अपने शिष्यों को दीक्षा देने के बाद कहा,तुम जहां भी जाओगे, वहां तुम्हें अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के लोग मिलेंगे। अच्छे लोग तुम्हारी बातें सुनेंगे और सहायता करेंगे। बुरे लोग तुम्हारी निंदा करेंगे और गालियां देंगे। तब तुम्हें कैसा लगेगा? एक गुणी शिष्य ने कहा,मैं किसी को बुरा नहीं समझता। कोई मेरी निंदा करेगा या मुझे गालियां देगा तो मैं समझूंगा कि वह भला व्यक्ति है क्योंकि उसने मुझे सिर्फ गालियां ही दीं, मुझ पर धूल तो नहीं फेंकी। बुद्ध ने पूछा,और यदि कोई तुम पर धूल फेंक दे तो? मैं उसे भला ही कहूंगा क्योंकि उसने धूल ही तो फेंकी, थप्पड़ तो नहीं मारा। और यदि कोई थप्पड़ मार दे तो क्या करोगे?मैं उन्हें बुरा नहीं कहूंगा क्योंकि उन्होंने मुझे थप्पड़ ही मारा, डंडा तो नहीं मारा। और कोई डंडा मार दे तो? मैं उसे धन्यवाद दूंगा क्योंकि उसने मुझे केवल डंडे से ही मारा, हथियार से नहीं।लेकिन मार्ग में तुम्हें डाकू भी मिल सकते हैं जो तुम पर घातक हथियार से प्रहार कर सकते हैं।

तो क्या? मैं तो उन्हें दयालु ही समझूंगा, क्योंकि वे मारते ही हैं, मार नहीं डालते और यदि वे तुम्हें मार ही डालें तो? शिष्य बोला,इस जीवन और संसार में केवल दुख ही है। जितना अधिक जीवित रहूंगा उतना दुख देखना पड़ेगा। जीवन से मुक्ति के लिए आत्महत्या करना तो महापाप है।

बुधवार को भगवान गणेश की पूजा एवं व्रत किया जाता है

सनातन धर्म में सप्ताह के सारे दिन किसी न किसी भगवान को समर्पित हैं। जिस तरह से सोमवार का दिन भगवान शिवजी का और मंगलवार का दिन हनुमान जी का है। उसी तरह से बुधवार को भगवान गणेश की पूजा की जाती है और उनके लिए व्रत रखा जाता है। ज्योतिषियों के मुताबिक व्रत रखने से भगवान खुश होते हैं। आज हम आपके लिए लाए हैं बुधवार के व्रत की कथा। व्रत रखने वाले लोगों को इस दिन यह कथा सुननी होती है।

प्राचीन काल की बात है एक व्यक्ति अपनी पत्नी को लेने के लिए ससुराल गया। कुछ दिन अपने ससुराल में रुकने के बाद व्यक्ति ने अपने सास-ससुर से अपनी पत्नी को विदा करने को कहा लेकिन सास-ससुर ने कहा कि आज बुधवार है और इस दिन हम गमन नहीं करते हैं। लेकिन व्यक्ति ने उनकी बात को मानने से साफ इनकार कर दिया। आखिरकार लड़की के माता-पिता को अपने दामाद की बात माननी पड़ी और अपनी बेटी को साथ भेज दिया। रास्ते में जंगल था, जहां उसकी पत्नी को प्यास लग गई। पति ने अपना रथ रोका और जंगल से पानी लाने के लिए चला गया। थोड़ी देर बाद जब वो वापस अपनी पत्नी के पास लौटा तो देखकर हैरान हो गया कि बिल्कुल उसी के जैसा व्यक्ति उसकी पत्नी के पास रथ में बैठा था।

ये देखकर उसे गुस्सा आ गया और कहा कि कौन है तू और मेरी पत्नी के पास क्यों बैठा है। लेकिन दूसरे व्यक्ति को जवाब सुनकर वो हैरान रह गया। व्यक्ति ने कहा कि मैं अपनी पत्नी के पास बैठा हूं। मैं इसे अभी अपने ससुराल से लेकर आया हूं। अब दोनों व्यक्ति झगड़ा करने लगे। इस झगड़े को देखकर राज्य के सिपाहियों ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

यह सब देखकर व्यक्ति बहुत निराश हुआ और कहा कि हे भगवान, ये कैसा इंसाफ है, जो सच्चा है वो झूठा बन गया है और जो झूठा है वो सच्चा बन गया है। ये कहते है कि फिर इसके बाद आकाशवाणी हुई कि 'हे मूर्ख आज बुधवार है और इस दिन गमन नहीं करते हैं। तूने किसी की बात नहीं मानी और इस दिन पत्नी को ले आया।' ये बात सुनकर उसे समझ में आया की उसने गलती कर दी। इसके बाद उसने बुधदेव से प्रार्थना की कि उसे क्षमा कर दे।

इसके बाद दोनों पति-पत्नि नियमानुसार भगवान बुध की पूजा करने लग गए। ज्योतिषियों के मुताबिक जो व्यक्ति इस कथा को याद रखता उसे बुधवार को किसी यात्रा का दोष नहीं लगता है और उसे सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। बुधवार के दिन अगर कोई व्यक्ति किसी नए काम की शुरुआत करता है तो उसे भी शुभ माना जाता है।

ग्रह अनुकूल न हों तो मौन रहें

ग्रहों का व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ व्यवहार पर भी सीधा प्रभाव पड़ता है। हमारा व्यवहार हमारे ग्रहों की स्थितियों से संबंध रखता है या हमारे व्यवहार से हमारे ग्रहों की स्थितियां प्रभावित होती हैं। अच्छा या बुरा व्यवहार सीधा हमारे ग्रहों को प्रभावित करता है। ग्रहों के कारण हमारे भाग्य पर भी इसका असर पड़ता है। कभी-कभी हमारे व्यवहार से हमारी किस्मत पूरी बदल सकती है।

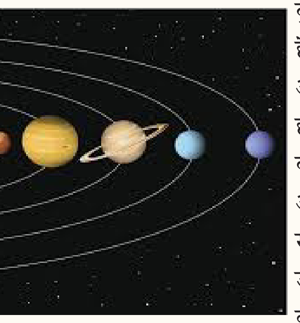

वाणी--वाणी का संबंध हमारे पारिवारिक जीवन और आर्थिक समृद्धि से होता है।

ख़राब वाणी से हमें जीवन में आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ता है।

कभी-कभी आकस्मिक दुर्घटनाएं घट जाती हैं।

कभी-कभी कम उम्र में ही बड़ी बीमारी हो जाती है।

वाणी को अच्छा रखने के लिए सूर्य को जल देना लाभकारी होता है।

गायत्री मंत्र के जाप से भी शीघ्र फायदा होता है।

आचरण-कर्म- हमारे आचरण और कर्मों का संबंध हमारे रोजगार से है।

अगर कर्म और आचरण शुद्ध न हों तो रोजगार में समस्या होती है।

व्यक्ति जीवन भर भटकता रहता है। साथ ही कभी भी स्थिर नहीं हो पाता।

आचरण जैसे-जैसे सुधरने लगता है, वैसे-वैसे रोजगार की समस्या दूर होती जाती है।

आचरण की शुद्धि के लिए प्रात: और सायंकाल ध्यान करें।

इसमें भी शिव जी की उपासना से अद्भुत लाभ होता है।

जिम्मेदारियों की अवहेलना--जिम्मेदारियों से हमारे जीवन की बाधाओं का संबंध होता है।

जो लोग अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं उठाते हैं उन्हें जीवन में बड़े संकटों, जैसे मुक़दमे और कर्ज का सामना करना पड़ता है। व्यक्ति फिर अपनी समस्याओं में ही उलझ कर रह जाता है।

अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में कोताही न करें। एकादशी का व्रत रखने से यह भाव बेहतर होता है। साथ ही पौधों में जल देने से भी लाभ होता है। सहायता न करना-

अगर सक्षम होने के बावजूद आप किसी की सहायता नहीं करते हैं तो आपको जीवन में मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कभी न कभी आप जीवन में अकेलेपन के शिकार हो सकते हैं। जितना लोगों की सहायता करेंगे, उतना ही आपको ईश्वर की कृपा का अनुभव होगा।

15 जून को सूर्य देव मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य का विशेष स्थान है। सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा कहा जाता है। वे हर महीने राशि परिवर्तन करते हैं। इस गोचर का सभी राशियों पर प्रभाव पड़ता है। 15 जून को सूर्य देव वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। इस राशि में 1 महीने तक रहेंगे। 15 जून को ग्रहों के राजा सूर्य देव मिथुन राशि में गोचर शुरू करेंगे और 16 जुलाई तक इसी राशि में मौजूद रहेंगे। 15 जून को सूर्य मिथुन राशि में गोचर करेंगे। जहां पहले से ही गुरु विराजमान हैं। ऐसे में दोनों ग्रहों के एक साथ मिथुन राशि में होने से गुरु आदित्य राजयोग बनेगा। खास बात ये है कि ये सूर्य देव के मित्र ग्रह की राशि है। व्यक्ति की कुंडली में सूर्य अच्छे स्वास्थ्य, प्रसिद्धि, नाम, सरकारी नौकरी, सफलता, उच्च पद के कारक होते हैं। ये हर राशि में लगभग एक महीने तक विराजमान रहते हैं। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के राशि परिवर्तन का विशेष महत्व होता है। जब भी कोई ग्रह किसी एक राशि में मौजूद होता है फिर किसी निश्चित समय में दूसरी राशि में परिवर्तन करता है तो इसका प्रभाव सभी जातकों पर शुभ और अशुभ दोनों तरह का होता है। ज्योतिष शास्त्र के नजरिए से सूर्य हर एक महीने में राशि परिवर्तन करते हैं। कुंडली में सूर्य के शुभ भाव में होने पर व्यक्ति को नौकरी, मान-सम्मान और धन लाभ होता है।

मेष राशि-भाग्य का भरपूर साथ मिलने वाला है। नौकरी में प्रभाव और प्रतिष्ठा वृद्धि की संभावना है। कार्यक्षेत्र में लाभ की स्थिति रहेगी। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे।

वृषभ राशि-परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। सूर्य देव की विशेष कृपा रहेगी, इसलिए प्रयास में कमी न करें। नौकरीपेशा जातकों का प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में सुधार होगा।

मिथुन राशि-कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। धन सही कार्यों में खर्च होगा। मन में किसी प्रकार का डर बना रहेगा। किसी को उधार देने से बचें। क्रोध से बचना होगा। स्वभाव में चिड़चिड़पन रहेगा।

कर्क राशि-इस गोचर काल में भाग्य का साथ नहीं मिलेगा। हालांकि कोट कचहरी से संबंधित मामलों में राहत मिलने की संभावना है। समर्पित परिश्रम से वरिष्ठों को संतुष्ट कर पाएंगे।

सिंह राशि-सूर्य गोचर के दौरान स्वास्थ्य का खास ध्यान रखना होगा। कामकाज में किसी प्रकार का साथ लाभ की प्राप्ति करवाएगा। कार्य योजनाओं को इच्छानुसार पूरा कर पाएंगे।

कन्या राशि-भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय के लिए सूर्य गोचर उत्तम रहेगा। व्यापारी वर्ग को विशेष रूप से अच्छे फल प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

तुला राशि-खराब स्वास्थ्य आपको बेचैन करेगा। छात्रों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। नौकरीपेशा ऑफिस में आने वाली बाधाओं से परेशान हो सकते हैं। व्यापारी वर्ग की हालात सामान्य बन रहेंगे।

वृश्चिक राशि-नौकरी में तबादला हो सकता है। मन में क्रोध और निराशा का संचार होगा। धन संबंधित मामले अच्छे रहेंगे। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। सामाजिक जीवन अच्छा व्यतीत नहीं होगा।

धनु राशि-नौकरी में अच्छा धन लाभ होगा। प्रमोशन होने के संकेत मिल रहे हैं। व्यापारियों के लिए लाभ की स्थिति बनी हुई है। निवेश करने से पहले विशेषज्ञ मार्गदर्शन लेना सही रहेगा।

मकर राशि-गोचर काल में घर पर कोई धार्मिक कार्य संपन्न होने का योग रहेगा। जीवन में कई सफलताएं प्राप्त होगी। जिससे आप आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकता है।

कुंभ राशि-कामकाज के क्षेत्र में लाभदायक स्थिति बनेगी। इंटरव्यू में सफलता मिलेगी। शैक्षणिक कार्यों में सुखद परिणाम मिलेंगे। माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन राशि-नौकरी में परिवर्तन के योग है। किसी दूसरे शहर जाना पड़ सकता है। इस गोचरकाल में वाहन या मकान खरीद सकते हैं। परिवार का ध्यान रखेंगे। उनकी जरूरतों को पूरा कर पाएंगे।

ब्रह्माकुमारीज को शांति और पवित्रता की देवी माना साधु-संतों ने

-डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

यूं तो ब्रह्माकुमारीज की पहचान सफेद वस्त्रों और मुख पर रूहानियत के आभामंडल से होती हैध,लेकिन हाल ही में ब्रह्माकुमारीज के बीच भगवा वस्त्रों में बड़ी संख्या में आए साधु-संतों ने ब्रह्माकुमारीज को शांति और पवित्रता की देवी बताकर उनके युग परिवर्तन का आधार घोषित कर दिया।30 मई से 2 जून तक ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय आबू रोड के आनंद सरोवर परिसर में ब्रह्माकुमारी भाई बहनों की मेजबानी में ढाई सौ से अधिक की संख्या में आए अतिथि साधु-संतों की उपस्थिति से आनंद सरोवर मिनी कुंभ के रूप में परिवर्तित हो गया था।जिनमे महामंडलेश्वर, पीठाधीश्वर, महंत,पुरोहित ,ऋषि,मुनि आदि शामिल रहे।लग रहा था जैसे भक्ति ज्ञान के द्वार पर आ गई हो और नए युग के लिए ज्ञान के साथ चलने को आतुर हो।ब्रह्माकुमारीज संस्था ने साधु-संत सम्मेलन कोई पहली बार नही किया,बल्कि ये आयोजन वह दशकों से करती आ रही है।वर्ष में कम से कम दो बार ब्रह्माकुमारीज देशभर से विद्वान एवं आध्यात्मिक सोच के धनी संतो के बड़े सम्मान के साथ आमंत्रित करती है और धर्म व आध्यात्म से जुड़ी विभिन्न शंकाओं,परम्पराओ,धारणाओं को लेकर शास्त्रोक्त चर्चा-परिचर्चा करती है। इस सम्मेलन में संतों ने एक स्वर में भारत को स्वर्णिम बनाने और विश्व में शांति स्थापना के लिए संकल्प लिया। संतों ने जीवन में आध्यात्म की पुर्नस्थापना के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्थान के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। ब्रह्माकुमारीज का संकल्प रहता है कि संतों को एक बार माउंट आबू लाना है। संतों की सेवा करनी है। इसी लक्ष्य को लेकर संस्था महासचिव बृजमोहन भाई की प्रेरणा से यह संत सम्मेलन साकार स्परूप में नज़र आया। आध्यात्म, आरोग्य और आनंद की त्रिवेणी बने आनंद सरोवर में संतो की कुंभ सा एहसास कराती मौजूदगी धर्म, आध्यात्म, आस्था की गंगा दिखाई पड़ रही थी। संत महात्मा महामंडलेश्वर मानते है कि युग परिवर्तन का चक्र बहुत तेजी से चल रहा है।साथ ही सामाजिक जीवन में भी बदलाव आ रहा है। आज व्यक्ति के पास भौतिक साधनों का अंबार लग रहा है, लेकिन वह अंदर ही अंदर खोखला होता जा रहा है। आज समाज के अंदर जो समरसता, सौहाद्र चाहिए, सात्विकता चाहिए उसके स्थान पर दुष्टता, अराजकता, स्वार्थपरायणा दिखाई दे रही है।जो कलियुग के चरम का परिचायक है।लेकिन इसी कलियुग को राजयोग के ज्ञान से सतयुग में परिवर्तित करना है जिसमे संतो की भी बड़ी भूमिका रहेगी।संतो से रूबरू होते हुए गुरुग्राम ओआरसी से पधारी राजयोगिनी बीके आशा दीदी ने कहा कि संतों की त्याग, तपस्या और पवित्रता के कारण ही आज भारत को विश्व गुरु मानते हैं।उन्होंने कहा कि केवल भारत नहीं, बल्कि सारा विश्व आज योग व राजयोग सीखना चाहता है। सारा विश्व कहता है कि हमें जीवन में आध्यात्मिकता की कमी है। आप पूछेंगे कि आध्यात्मिकता क्या है?वास्तव में आत्मा और परमात्मा का ज्ञान ही आध्यात्मिकता है। यदि जीवन में उन्नति चाहते है तो एक बार ब्रहमाकुमारीज में आकर राजयोग सीखो। राजयोग इतना सहज और प्रभावी है कि जितनी भी आपकी बुद्धि भटकती है,वह स्थिर हो जाएगी। यह कोई चमत्कार नहीं है,बल्कि एक विधि है। आप जहां भी बैठो,

खासकर सूर्य उदय होने के पहले और अस्त होने के बाद जो पूजा पाठ करते हो करो, लेकिन उसमें कुछ जोड़ो,स्वयं को परमात्मा से जोड़ने के लिए अपने आप से पूछो मैं कौन? मन प्रश्न करेगा, बुद्धि जबाव देगी। एक ही जगह पर आप स्थितप्रज्ञ हो जाएंगे। भगवान पतित आत्मा को पावन बनाता है। इस आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन में प्रयोग करते हो तो जीवन में सुख शांति आ जाएगी।

इस साधु-संत महासम्मेलन में श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर जागृत चेतना गिरी जी महाराज महामंडलेश्वरी- निरंजनी अखाड़ा मातृशक्ति, महामंडलेश्वर स्वामी श्री स्वतंत्रानन्द सरस्वती जी महाराज, ई आश्रम , ऋषिकेश, महामंडलेश्वर स्वामी श्री विजयानंद जीसाहित्यकार महाराज,वेद निकेतन, ऋषिकेश,पीठाधीश्वर स्वामी दिनेशानन्द भारती जी महाराज, परमाध्यक्ष-श्री शंकरमठ आश्रम, रुड़की हरिद्वार,महामंडलेश्वर स्वामी संगम नाथ जी महाराज-कुरुक्षेत्र , महामंडलेश्वर स्वामी अखलानन्द अक्रिय जी महाराज, परमाध्यक्ष- श्री अक्रिय आश्रम, हरिद्वार,महामंडलेश्वर सद्गुरु आदियोगी पूरी जी महाराज ने ब्रह्माकुमारीज से जुड़े भाई बहनों को विश्व शांतिदूत बताया और उनके सेवाकार्यो की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।अपने सम्बोधन में इन संतो ने परमात्म प्राप्ति के लिए राजयोग को एक सशक्त माध्यम बताया।महासम्मेलन को अपने परिपक्व ज्ञान से सफल बनाने वालों में राजयोगिनी उषा दीदी,करुणा भाई,मृतुन्जय भाई,नारायण भाई,सुशील भाई ,बीके पुष्पा पांडेय आदि अग्रणीय रहे।

जगाधरी के मुख्य बाजारों में निगम ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

सड़क पर रखा सामान अंदर रखवाकर दुकानदारों को समझाया

यमुनानगर, 12 जून (दिनेश कुमार) : नगर निगम द्वारा वीरवार को जगाधरी के मुख्य बाजारों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान सफाई निरीक्षक अमित कांबोज की टीम ने दुकानदारों द्वारा सड़क पर रखा सामान उठाकर दुकानों के अंदर रखवाया और उन्हें सड़क पर अतिक्रमण न करने के बारे में समझाया। निगम अधिकारियों ने दुकानदारों को चेतावनी कि इस बार सामान दुकानों के अंदर रखवाया जा रहा है। अगली बार यदि सड़क पर सामान रखा तो उसे निगम के वाहन में लोड कर जब्त किया जाएगा। साथ ही अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों का चालान किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर जोन एक में सीएसआई हरजीत सिंह, जोन दो में सीएसआई विनोद बेनीवाल व जोन तीन में सीएसआई अनिल नैन के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ दस्ते बनाए गए हैं। वीरवार को जोन एक में सफाई निरीक्षक अमित कांबोज, सफाई निरीक्षक पंकज, सहायक सफाई निरीक्षक सचिन कांबोज व होमगार्ड के जवानों की टीम ने जगाधरी के पत्थरों वाला बाजार, खेड़ा बाजार, पंसारी बाजार, चौक बाजार, शर्मा टेंट हाउस तक अतिक्रमण हटाओ व जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान निगम की टीम दुकानदारों द्वारा सड़क पर रखा सामान उठाकर अंदर रखवाया। निगम की टीम को देख दुकानदारों ने स्वयं अपना सामान समेटना शुरू कर दिया। कुछ दुकानदारों ने सड़क तक सामान रखकर अतिक्रमण किया हुआ था। सफाई निरीक्षक अमित कांबोज ने दुकानदारों को समझाया कि सड़कों पर अतिक्रमण करने से मार्ग संकरे हो जाते हैं। जिससे सड़कों पर जाम की स्थिति बनती है। कुछ दुकानदार आधी सड़क तक सामान रखकर अतिक्रमण कर लेते है, जो की गलत है। ऐसा करने से सड़क पर जाम लग जाता है और आमजन को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए आमजन को होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए कोई भी दुकानदार सड़कों पर अतिक्रमण न करें। उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि इस बार सामान दुकानों के अंदर रखवाया गया है, यदि दुकानदारों द्वारा दोबारा अतिक्रमण किया गया तो सामान जब्त किया जाएगा और संबंधित दुकानदार को चालान किया जाएगा।

कैथल में बाल श्रम के विरुद्ध रेस्क्यू आपरेशन, तीन बच्चे रेस्क्यू किए गए

कैथल, 12 जून (प्रवेश बहादुर) : कैथल में विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस के अवसर पर कैथल में बाल श्रम के विरुद्ध एक विशेष रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया इस अभियान के दौरान तीन बच्चों को जो अवैध रूप से श्रम में श्रीलंका थे रेस्क्यू किया गया यह जानकारी अशोक कुमार ने पत्रकारों को दी उन्होंने कहा है कि यह संयुक्त अभियान एम डीडी ऑफ इंडिया कैथल बच्चों के विभाग के जिला समन्वयक अशोक कुमार के नेतृत्व में चलाया गया अभियान में एंटी आई ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम ने भी सक्रिय भागीदारी की जिसमें ए एस आई मदन लाल और एस आई रमेश कुमार शामिल रहे रेस्क्यू किए गए बच्चों को तत्परता से चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्लूसी) के सपोर्ट किया गया जहां उन्हें उचित देखभाल काउंसलिंग और पुनर्वास व्यवस्था सुनिश्चित की गई यह अभियान बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कानून परिवर्तन एजेंसियों और सामाजिक संगठनों के बीच मजबूत समन्वय को दर्शाता है बाल श्रम के उन्मूलन की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

दुकान से चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, चोरीशुदा तीन लाख रुपए व डीवीआर बरामद

लाडवा, 12 जून (रामगोपाल) : पुलिस टीम ने लाडवा के विकास नगर में तीन दिन पहले होलसेल दुकान से हुई चोरी का भंडाफोड़ करते हुए आरोपी गुलजोर सिंह निवासी बीड सोंटी लाडवा जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। इतना ही नहीं आरोपी से पुलिस ने तीन लाख रुपए व डीवीआर भी बरामद कर लिए हैं। 9 जून सोमवार को थाना लाडवा में दी अपनी शिकायत में राहुल वर्मा निवासी लाडवा ने बताया कि उसकी विकास नगर लाडवा में बीड़ी, सिगरेट व कोल्ड ड्रिंक्स की होलसेल की दुकान है। 9 जून को दोपहर समय करीब 2.40 पर वह दुकान का लॉक लगाकर खाना खाने के लिए घर पर गया था। उसका घर भी दुकान के पास ही है। कुछ समय बाद दुकान से किसी ग्राहक का फोन आया कि उसकी दुकान खुली हुई पड़ी है जबकि वह दुकान का ताला लगा कर आया था। जैसे ही वह अपनी दुकान पर पहुंचा तो दुकान के गल्ले के आसपास सामान बिखरा हुआ पड़ा था और गल्ले में रखी चार लाख रुपए की नगदी भी गायब मिली। इतना ही नहीं अज्ञात चोर कैमरे की डीवीआर भी अपने साथ ले गए। हालांकि घटना वाले दिन यह राशि साढ़े पाँच लाख रुपए बताई गई थी। उसने घटना की सूचना पुलिस को दी। जिसकी शिकायत पर थाना लाडवा में मामला दर्ज करके जांच अपराध अन्वेषण शाखा वन को सौंपी गई। 10 जून 25 को अपराध अन्वेषण शाखा वन प्रभारी सुरेंद्र कुमार के मार्गनिर्देश मे सहायक उप निरीक्षक गिरवर शर्मा, उप निरीक्षक सतविन्द्र सिंह, मुख्य सिपाही कृष्ण व सिपाही विकास कुमार की टीम ने दुकान से चोरी करने के आरोप मे गुल जोर सिंह निवासी बीड सोंटी जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से चोरीशुदा तीन लाख रुपये बरामद किये गए हैं।

26.21 ग्राम स्मैक सहित युवक गिरफ्तार

यमुनानगर, 12 जून (दिनेश कुमार) : रामपुरा चौकी पुलिस ने करीब एक लाख रुपए कीमत की 26.21 ग्राम हेरोइन (स्मैक) सहित सहित एक युवक एक गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी पर पहले भी करीब आठ मामले नशीले पदार्थों के दर्ज है जो कोर्ट में विचाराधीन है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे रिमांड पर लिया जाएगा। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस चौकी इंचार्ज सुनील कुमार ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली कि एक युवक आजाद नगर गली नंबर 6 में नशीले पदार्थ बेचने की फिराक में घूम रहा है। इस सूचना के आधार पर एएसआई मुकेश, सुरेंद्र, सुखविंदर, विनोद, अमित की टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर जाकर वहां घूम रहे युवक को गिरफ्तार किया। मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट डीएसपी राजीव मिगलानी को बुलाया गया। जिसके सामने पकड़े गए युवक की तलाशी ली तो उसके पास से 26 ग्राम 21 मिलीग्राम हीरोइन (स्मैक) बरामद हुई। जिसकी पहचान आजाद नगर गली नंबर 9 निवासी हर्षदीप उर्फ गुल्लू पुत्र दविंदर सिंह के नाम से हुई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे रिमांड पर लिया जाएगा। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। इंचार्ज ने बताया कि आरोपी पर पहले भी नशा तस्करी के आठ मामले दर्ज है और 4 महीने पहले ही वह जमानत पर बाहर आया आते ही फिर से उसने नशीले पदार्थों की तस्करी का काम शुरू कर दिया।

मीठा पानी स्टील व कांच के गिलास में पिलाए : सतेंद्र सिवाच

कुरुक्षेत्र, 12 जून (सुदेश कुमार) : नगर आयुक्त सतेंद्र सिवाच ने कहा कि शहर में लगाई जाने वाले मीठे पानी की छबील में प्लास्टिक के गिलाब का इस्तेमाल रोकने के लिए टीम ने जागरूक किया। संस्थाओं को समझाया कि वो मीठा पानी स्टील व कांच के गिलासों में पिलाएं।

साथ ही साफ-सफाई रखने के लिए डस्टबिन का प्रयोग करें। वीरवार को नगर परिषद थानेसर की सफाई टीम व स्वच्छ भारत मिशन कुरुक्षेत्र के सदस्य अवनी गुप्ता, सुनील वर्मा आईसी एक्सपर्ट बिरेंद्र कुमार भारद्वाज, वाह फाउंडेशन के सदस्य विवेक की टीम के द्वारा शहर में विभिन्न स्थानों लोगों को मीठा पानी पिलाने वाले लोगों को जागरूक किया। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। स्वच्छ भारत मिशन के सदस्यों के द्वारा रोड पर पड़े खाली गिलासों को उठाया और गाड़ी में डाला गया। इससे वहां पर उपस्थित लोगों में जागरूकता आई और नागरिकों ने अपने गिलासों को उठाकर के कचरे के कंटेनर में डालना शुरू किया। आईईसी एक्सपर्ट वीरेंद्र कुमार ने कहा कि लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक के गिलास में पानी पिलाया जाता है। खाली गिलास उडकर सड़क पर फैल जाता है, जिसके बाद उस पर कई बार बाइकें फिसल जाती है और बेसहारा पशु भी उसे

खाकर बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। इसके अलावा आसपास का क्षेत्र भी गंदा हो जाता है और प्लास्टिक के गिलास उडकर नालियों में पानी अवरोध करने का कारण भी बनते हैं। स्वच्छ भारत मिशन कुरुक्षेत्र के सदस्यों के द्वारा छबील लगाने वाले लोगों को बताया कि प्लास्टिक का गिलास का उपयोग न करके स्टील के गिलास, कांच व प्लास्टिक के ऐसे गिलासों का प्रयोग किया जाए। जिनको साफ करके पुन उपयोग में लाया जा सके ना कि ऐसे गिलासों का जिसे उपयोग में लाने के बाद इधर-उधर फेंक दे। लोगों ने आयोग के सदस्यों का धन्यवाद कहा और कहा कि आगे से हम ऐसा कोई भी कार्य नहीं करेंगे जिससे समाज में कचरा फैले।

गौशाला में चलाया सफाई अभियान

मुख्यमंत्री के आदेशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र के निर्देशन में जय बजरंगबली गौशाला में गौ सेवा का कार्य किया गया। स्वच्छ भारत मिशन जिला कुरुक्षेत्र के सदस्य अवनी गुप्ता, सुनील वर्मा, नगर परिषद थानेसर के कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार की निगरानी में सफाई योद्धा गुरुचरण दरोगा, सागर, अनीता, बबली राजेश चुग, आईईसी एक्सपर्ट वीरेंद्र कुमार भारद्वाज, पार्षद कवि बजाज के सहयोग से आज गौ सेवा साफ सफाई की गई। साथ ही अवनी गुप्ता और सुनील वर्मा स्वच्छ भारत मिशन कुरुक्षेत्र के सदस्य के द्वारा गौशाला की व्यवस्था में 3100 राशि का योगदान दिया गया।

शाहाबाद के बेटे देवांग सेठी ने रचा इतिहास

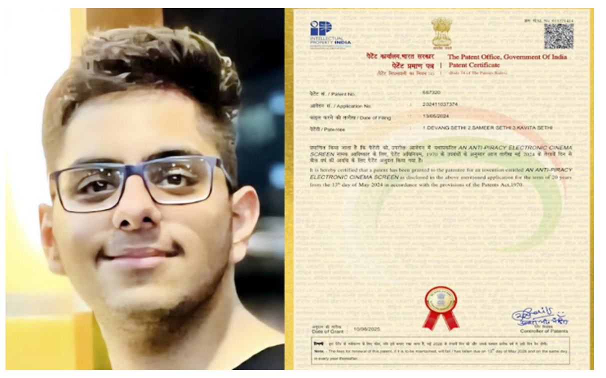

शाहाबाद मारकंडा, 12 जून (रूबी) : मारकंडेय ऋषि की भूमि शाहाबाद मारकंडा का यह सुखद, उत्साहवर्धक, प्रेरक, अनुकरणीय व प्रेरणादायक समाचार है। हरियाणा के लाल देवांग सेठी ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने एक ऐसी तकनीक विकसित की है कि जो फिल्मों की सिनेमा रिकार्डिंग (एंटी पायरेसी स्क्रीन) की घटनाओं पर प्रभावी ढंग से लगाम लगाएगी। इस नवाचार को भारत सरकार ने पेटेंट प्रदान किया है जिससे यह साबित हो गया है कि देवांग सेठी की सोच व प्रतिभा देश के लिए अमूल्य है। देवांग सेठी ने बताया कि यह तकनीक सैंसर आधारित है और सिनेमा हाल में रिकॉर्डिंग को रोकती है और संबंधित व्यक्ति को सूचना भी भेजी जाती है। इससे न केवल सिनेमा की कमाई में फायदा होगा बल्कि चोरी भी रुकेगी। देवांग सेठी की इस उपलब्धि पर शाहाबाद में हर्ष की लहर है। छोटे से नगर से निकलकर वैश्विक स्तर तक पहचान बनाने वाले समीर सेठी व कविता सेठी के इंजीनियर बेटे देवांग सेठी ने अपनी कुशाग्र बुद्धि के प्रयोग से यह साबित कर दिया है कि मेहनत और लग्न से हर सपना पूरा किया जा सकता है। देवांग सेठी ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने दादा बलदेव राज सेठी के कुशल अनुशासन और अपने पथ प्रदर्शक डा. राहुल तनेजा के मार्गदर्शन को दिया है। पेटेंट नियंत्रक ने अधिकृत रूप से पेटेंट भेजा है जो 20 वर्ष तक अनुदत्त किया गया है।

उद्यान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने विकसित कृषि संकल्प अभियान में निभाई अहम भूमिका : प्रो. सुरेश मल्होत्रा

करनाल, 12 जून (संदीप रोहिला) : महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय विकसित कृषि संकल्प अभियान में अहम भूमिका निभा रहा है, संस्थान के वैज्ञानिक अभियान की शुरुआत के प्रथम दिन से ही करनाल, सोनीपत, अम्बाला, जींद, झज्जर, भिवानी, गुड़गांव आदि के किसानों के बीच जाकर उन्हें बागवानी की खेती वैज्ञानिक तरीके से कर काफी आर्थिक लाभ कमा सकते है। इसके अलावा रोजगार के नए अवसर भी सृजित कर सकते है। जो कि विकसित भारत बनाने में बेहतर योगदान होगा। विकसित कृषि संकल्प अभियान के बारे में जानकारी देते हुए एमएचयू के माननीय कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा कुरुक्षेत्र की धरती से 29 मई को विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत की थी। अभियान का उद्देश्य है कि देश प्रदेश का किसान सशक्त बने और आर्थिक रूप से समृद्ध बने, आत्म निर्भर बने। उन्होंने कहा कि उद्यान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अभियान को सफल बनाने के लिए जुटे हुए है, करनाल, अम्बाला, जींद, झज्जर, गुड़गांव, सोनीपत आदि जिलों में जाकर किसानों को अवगत करवा रहे है कि बागवानी की खेती जैसे फल, सब्जियां, फूल, मसालों, मशरूम की खेती वैज्ञानिक तकनीक

अपनाकर करें, जिससे न केवल उत्पादन बढ़ेगा बल्कि फसल क्वालिटीयुक्त होंगी। जिसके बाजार में बेहतर दाम मिलेंगे। जिससे किसान भाईयों के जीवन में आर्थिक समृद्धि आएगी। सरकार का भी यहीं प्रयास है, इन सब बातों को ध्यान में रखकर सरकार सीधे तौर पर वैज्ञानिकों को किसानों के पास भेज रही है ताकि किसान वैज्ञानिकों से खेती किसानी से सम्बन्धित हर प्रकार की जानकारी आसानी से प्राप्त कर उस पर अमल कर सकें। वैज्ञानिकों ओर किसानों के ये कार्य देश को आर्थिक तौर पर सबल बनाने में अहम भूमिका निभाऐंगे।

किसान भाई खुद उत्पाद बनाकर बाजार में बेचे : कुलपति प्रो. सुरेश ने बताया कि वैज्ञानिक किसान भाईयों को बता रहे है कि किसान केवल फसल उगाकर उसे मंडियों में बेचने तक सीमित न रहे बल्कि खुद उगाई फसलों, फल, सब्जियां, मसालों, मशरूम आदि के उत्पाद बनाकर बाजार में बेचे, जिससे उनकी आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है। इसके लिए केंद्र व राज्य सरकार पूरा सहयोग कर रही है। किसान भाईयों की हर संभव सहायता कर रही है, जिसका काफी किसान भाई लाभ भी उठा रहे है। किसानों को सब्सिडी ओर तकनीकी ज्ञान के साथ साथ ट्रेनिंग भी उपलब्ध करवा रही है।

कुलपति प्रो. सुरेश ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान किसानों के लिए वरदान साबित होगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ विजय पाल यादव ने कहा कि अभियान 29 मई से 12 जून तक चलाया गया।

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर : प्रो. डॉ. रामपाल सैनी

करनाल, 12 जून (संदीप रोहिला) : डीएवी पीजी कॉलेज में एनसीसी और एनएसएस इकाइयों के संयुक्त तत्वाधान में हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार योग अभ्यास दिवस का आयोजन किया गया। योग अभ्यास के बाद पौधारोपण करते हुए चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के कुलपति, कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने योग की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। यह न केवल शारीरिक बल और लचीलापन प्रदान करता है, बल्कि मानसिक शांति और एकाग्रता को भी बढ़ाता है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में योग एक आवश्यक साधन बन गया है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे प्रतिदिन योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं ताकि वे शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ रह सकें। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरपी सैनी ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को नैतिक और सामाजिक मूल्यों की ओर भी अग्रसर होना चाहिए, और योग एक ऐसा माध्यम है जो व्यक्ति के भीतर अनुशासन, संयम और आत्मबल का विकास करता है। डॉ. रामपाल सैनी ने अपने प्रभावशाली वक्तव्य में कहा, योग केवल शारीरिक क्रियाओं का समूह नहीं, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवनशैली है, जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलन में लाता है। उन्होंने कहा कि आज की आधुनिक जीवनशैली में बढ़ता तनाव, चिंता, अवसाद और मानसिक अस्थिरता एक गंभीर चुनौती है, जिसका सबसे सरल और प्रभावी समाधान योग के माध्यम से संभव है। उन्होंने बताया कि योग शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, एकाग्रता में वृद्धि करता है, और व्यक्ति को मानसिक शांति प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि वे केवल एक दिन योग करने तक सीमित न रहें, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। उन्होंने युवा वर्ग से आह्वान किया कि वे अपने मोबाइल, सोशल मीडिया और कृत्रिम सुखों की दुनिया से बाहर निकलकर योग को अपनाएं और एक स्वस्थ, संतुलित एवं अनुशासित जीवन की ओर बढ़ें। पौधरोपण करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने कहा कि हमारा धर्म है कि हम इस धरती को हरा-भरा और जीवंत बनाए रखें। जैसे योग हमारे जीवन को स्वस्थ बनाता है, वैसे ही पौधे पृथ्वी को जीवनदायिनी बनाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को एक-एक पौधा गोद लेकर उसकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया। विद्यार्थियों को ताड़ासन, वज्रासन, भ्रामरी, अनुलोम-विलोम, कपालभाति जैसे विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास करवाया। एनएसएस इंचार्ज डॉ. बलराम शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा एनएसएस का उद्देश्य केवल सेवा भावना का विस्तार करना ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भी बोध कराना है। योग और वृक्षारोपण दोनों ही कार्य एक सामाजिक कर्तव्य हैं। इस अवसर पर डॉ. विपिन नेवट, पुनीत, केशव,. तनु, माही और प्रदीप स्वयंसेवक एनसीसी कैडेट एंव अन्य मौजूद रहे।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का यथा शीघ्र करें निपटान : पीयूष गुप्ता

यमुनानगर, 12 जून (दिनेश कुमार) : नगराधीश पीयूष गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास रहें, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें। नगराधीश ने बताया कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशन में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक

आयोजित किए जा रहे हैं। पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन होगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर जिला सचिवालय के सभागार में तथा उपमंडल स्तर के समाधान शिविर बिलासपुर, छछरौली व रादौर में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य है जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना, ताकि समस्याओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलझाया जा सके। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में चल रही इस पहल को जनता का भी भरपूर सहयोग और सराहना मिल रही है। समय पर समाधान, समर्पित अधिकारी और आमजन की भागीदारी के साथ यह शिविर आज गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं। नगराधीश ने बताया कि समाधान शिविर में 15 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें संधाली निवासी विशाल, बिलासपुर निवासी सचिन, यमुनानगर निवासी गौरव, यमुनानगर निवासी कंचन और यमुनानगर निवासी जसवंत सिंह ने परिवार पहचान पत्र ठीक करवाने बारे समस्या रखी। समस्त सुंदर नगर वॉर्ड न. 7 निवासियों ने बिजली के ट्रांसफार्मर लगवाने बारे समस्या रखी, सबील पुर निवासी पूजा ने बीपीएल राशन कार्ड बनवाने की समस्या रखी, यमुनानगर निवासी अमीता ने इंतकाल दर्ज करवाने बारे समस्या रखी, समस्त इंद्रलोक स्ट्रीट निवासी ने सैक्टर 17 में बने गेट को खुलवाने बारे समस्या रखी। सैक्टर 18 निवासी धर्मवीर कांबोज ने सैक्टर 18 पार्ट 1 में स्पीड ब्रेकर लगवाने बारे समस्या रखी, यमुनानगर निवासी रजत ने जाति प्रमाणपत्र बनवाने की समस्या रखी, भम्भौल निवासी देशराज ने बिजली की समस्या रखी। इस अवसर पर अंडर ट्रेनिंग आईएएस सुमन यादव, डीएसपी राजीव मिगलानी व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बाबैन के बराड़ा रोड पर दुकानदारों के लगाई ठंडे मीठे पानी की छबिल

बाबैन, 12 जून (राजेश कुमार) : बाबैन के बराड़ा रोड पर विपिन मेडिकोज के सामने दुकानदारों के द्वारा ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई गई जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने मीठा जल पीकर गर्मी से राहत पाई। इस मौके पर विपिन रावल, सहगल कोलक्सन के संचालक मनीष सहगल, कृष्ण गोपाल, लखविंद नखरोजपुर, हार्दिक रावल, पंकज रावल व अन्य दुकानदारों ने सहयोग किया। इस मौके पर विपिन मेडिकोज के संचालक विपिन रावल ने कहा कि गर्मी के मौसम में सामूहिक रुप से मिलकर लोगों को मीठा पानी पिलाना पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि हमें इस तरह के सामाजिक व धार्मिक कार्यो मे बढ़-चढ़ कर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्यासे को जल पिलाना एक बहुत पुण्य का कार्य माना जाता है और हमारे धार्मिक ग्रंथों में भी प्यासे को जल पिलाने का बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति मे खुद भूखे व प्यासे रह कर दूसरे व्यक्ति को खाना देने व जल पिलाने को एक श्रेष्ठ समाजिक कार्य माना गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है इसलिए जल की महत्ता को देखते हुए हमें जल बचाने के लिए लोगों को प्रतोसाहित करना चाहिए।

बढ़ती गर्मी पर डॉक्टर्स की सलाह

शाहाबाद मारकंडा, 12 जून (रूबी) : लगातार बढ़ रही गर्मी के कारण लोगों को अनेक स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं। जिसपर सिद्धार्थ अस्पताल के संचालक डॉक्टर दीपक शर्मा ने बताया कि अत्यधिक गर्मी में शरीर से पसीने के रूप में अधिक तरल पदार्थ निकल जाते हैं,जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इससे थकान,सिर दर्द, चक्कर आना और मुंह सूखना जैसे समस्याएं हो सकती हैं, बहुत ज्यादा देर तक धूप और गर्मी में रहने या हीट वेव की चपेट में आने के कारण हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा रहता है। संजीवनी अस्पताल के संचालक डॉक्टर एचके धीमान ने बताया कि दिनभर पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ का सेवन करें, भले ही आपको प्यास ना लगे फिर भी पानी, छाछ, फलों का रस, नारियल पानी, नींबू पानी का सेवन करते रहें। उन्होंने बताया कि बढ़ते तापमान की वजह से डायरिया, पाचन तंत्र से जुड़ी परेशानियां, स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ सकता है। डॉक्टर दीपक शर्मा व डॉक्टर एचके धीमान ने सलाह दी की गर्मी में कम से कम बाहर निकले और अगर कोई समस्या होती है तो तुरंत अपने नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करें।

बिजली के कटों से ग्रामीण परेशान रात भर लगते हैं दर्जनों से अधिक कट

मूनक, 12 जून (जयभगवान) : सरकार की जगमग योजना के तहत बनाए गए गांव में रात के समय बिजली के सैकड़ो कटो के कारण ग्राम वासी परेशान हो रहे हैं और नींद पूरी न होने से परेशान हो रहे है। गांव निवासी महेंद्र सिंह, सुरेंद्र, नरेंद्र जगदीश, सुरेश, जोगिंदर सिंह का कहना है कि गांव में ज्यादातर लोग गरीब रहते हैं दिन भर मजदूरी कर रात को आराम की नींद लेने के लिए पंखे के नीचे सोते हैं और रात भर कटों से तंग आकर परेशानियों का सामना कर अपनी नींद को पूरी नहीं कर सकते। इसके लिए उन्हें बड़ा भारी खेद हो रहा है कि सरकार की नीतियों के हिसाब से हर मास सैकड़ो रुपए का बिल भरते हैं। परंतु लाइट देने में इतनी कंजूसी हो रही है जिसकी बारे में वह कह नहीं सकते। सरकार के द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर देने के लिए कह रही है परंतु अब तक सरकार ग्रामीण क्षेत्र में पूरी तरह लाइट नहीं दे रही। जिसके कारण ग्रामीणों को खुद तो परेशानी होती है उनके द्वारा पाले गए पशुओं को भी गर्मी के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो पशुओं को दूध धोने व पानी पिलाने के समय लाइट गुल हो जाती है। विद्युत विभाग से जानकारी लेने पर उनका कहना है कि गर्मी में लाइट खपत आधिक होने से उपकरण गर्म हो जाते हैं। जिनके कारण कट लगने पर मजबूर होना पड़ता है।

थाना प्रभारी ने किया पैदल मार्च, शांति व्यवस्था बनाए रखने का दिया संदेश

हांसी, 12 जून (मनमोहन शर्मा) : थाना प्रभारी सदर ने आगामी उप चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से गांव कंवारी में पैदल मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस बल के जवानों के साथ थाना प्रभारी ने गांव की गलियों और मुख्य चौक से होकर भ्रमण किया और ग्रामीणों से शांतिपूर्ण मतदान की अपील की। मार्च के दौरान थाना प्रभारी ने लोगों को संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की अफवाहों या अराजक तत्वों से सावधान रहें और प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है और इसे शांतिपूर्ण तरीके से मनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। थाना प्रभारी ने कहा, किसी के दबाव में आए बिना निर्भीक होकर मतदान करें। अगर कोई व्यक्ति जबरदस्ती करता है या माहौल खराब करने की कोशिश करता है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस मौके पर गांववासियों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की और आश्वासन दिया कि वे चुनाव को शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने में पूरा सहयोग देंगे।

गांव घोघड़ीपुर आर्य समाज में 7 दिवसीय युवा चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन

- बच्चों को चरित्र निर्माण के साथ-साथ देश भक्ति व माता पिता तथा समाज सेवा की दी जा रही शिक्षा

करनाल, 12 जून (रविन्द्र) : गांव घोघड़ीपुर आर्य समाज में 7 दिवसीय युवा चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बच्चों को योगासन, प्राणायाम, जुडो कराटे, लाठी का प्रशिक्षण वैदिक मान्यताएं एवं चरित्र निर्माण के साथ-साथ देश भक्ति व माता पिता तथा समाज सेवा की शिक्षा दी जा रही है। रविवार 15 जून को सायं 5 बजे शिविर का समापन होगा। इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि सोहन सिंह राणा मुख्यतिथि व जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि बलवान विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

इस मौके पर आर्य समाज सभा के प्रधान बलविन्द्र आर्य ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से जहां बच्चों को संस्कारवान बनाया जाता है, वहीं बच्चों में सकारात्मक परिवर्तन लाने में भी सहायक सिद्ध होते है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग शिविर भाग लेकर वैदिक जीवन मूल्यों, अनुशासन, नैतिकता और आत्म विकास से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होकर एक सभ्य समाज का निर्माण करने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि अपने बच्चों को फोन से दूर रखें। उन्हें योग व्यायाम, खेलों की ओर प्रेरित करें और अच्छे संस्कार दें। आर्य समाज सभा के प्रधान बलविन्द्र आर्य, मंत्री ओम प्रकाश आर्य, कोषाध्यक्ष बलराज मान, शिविर संयोजक भोपाल सिंह आर्य, महिन्द्र आर्य, राजिन्द्र आर्य, जितेंद्र मान व डॉ. सतीश आर्य सहित आदि मौजूद रहे।

स्पेशल डिटेक्टिव युनिट द्वारा ट्रक चोरी गिरोह में शामिल 2 आरोपी काबू

कैथल, 12 जून (प्रवेश बहादुर) : वाहन चोर गिरोह पर एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार शिकंजा कसते हुए स्पेशल डिटेक्टिव युनिट प्रभारी एसआई रमेश चंद की अगुवाई में एएसआई तरसेम सिंह की टीम द्वारा गांव खरक पांडवा निवासी कृष्ण कुमार व गांव गुलियाना निवासी मोहित को काबु कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव युनिट 29 मई को थाना पुंडरी क्षेत्र में मौजूद थी, जहां सहयोगी सूत्रों से जानकारी मिली कि करोड़ा से फरियाबाद रोड़ पर एक बंद पड़े होटल के पास एक डंपर ट्रक 12 टायरी खड़ा है, जो राजस्थान से चोरी है। जो उपरोक्त ट्रक पर फर्जी नंबर लिखा हुआ है। जो करोड़ा निवासी मनोज उसी ट्रक के पास अपने साथियों के इंतजार में खड़ा है। मनोज अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर हरियाणा सहित अन्य राज्यों से वाहन चोरी करके बेचने का धंधा करता है। जिस दबिश देकर काबू किया जा सकता है। सूचना विश्वसनीय होने कारण पुलिस टीम करोड़ा से फरियाबाद रोड़ पर पहुंची। पुलिस को देखकर ट्रक की ड्राईवर साइड से एक युवक ने भागने का प्रयास किया, परंतु सतर्क पुलिस द्वारा उसे काबू कर लिया गया। जिसकी पहचान करोड़ा निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई। ट्रक के कागजात बारे पूछने पर मनोज कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। पुलिस द्वारा जांच करने पर यह ट्रक 25 मई को जिला टोंक राजस्थान में संथली मोड एरिया से चोरी होना पाया गया। पूछताछ दौरान मनोज द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर राजस्थान से यह ट्रक चोरी करने की वारदात कबूल की। आरोपी के खिलाफ थाना पूंडरी में मामला दर्ज कर लिया गया था। मनोज के साथ आरोपी कृष्ण व मोहित उक्त वाहन चोर गिरोह में शामिल थे तथा उपरोक्त ट्रक चोरी की वारदात में संलिप्त थे। दोनों आरोपी न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए।

स्वास्थ्य ठेका कर्मचारियों ने अपने ड्यूटी पद हस्तांतरित करने के विरोध में धरना प्रदर्शन किया

यमुनानगर, 12 जून (संजीव कुमार) : स्वास्थ्य ठेका कर्मचारियों ने अपने ड्यूटी पद हस्तांतरित करने के विरोध में नागरिक अस्पताल के प्रांगण में धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि कहने मात्र को यें सरकारी कर्मचारी है लेकिन वास्तव में यह थोड़े से वेतन वाले कच्चे कर्मचारी है।

स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान विजय कुमार ने गुरुवार को बताया कि यहां पर कर्मचारी पिछले दस वर्षों से अधिक समय से वार्ड ड्यूटी का काम करते आ रहें है। लेकिन सरकार की ओर से अब एक पत्र जारी किया गया है जिसमें इन कर्मचारियों की ड्यूटी बदलकर कौशल या अन्य माध्यम से इन्हें सफाई पद पर कार्य करने का दबाव बनाया जा रहा है। जबकि यहां का प्रशासन भी इनकी पिछले समय से ड्यूटी को देखता आ रहा है।

उन्होंने कहा कि पहले भी अधिकारों की सहमति से वार्ड ड्यूटी पदों पर ये कर्मचारी कार्य करते रहें है। हमने पहले भी विरोध प्रदर्शन किए है। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के दौरे के समय अधिकारियों ने उन्हें सच नहीं बताया। पहले यह अस्पताल 100 बेड का था आज यह 200 बेड का है। लेकिन कर्मियों की संख्या बढ़ने की बजाए और घट गई है। अब उनके ड्यूटी पद बदलकर परेशान किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कर्मियों को वार्ड ड्यूटी पद से बदलकर सफाई ड्यूटी पर लगाया गया तो जल्द ही शीर्ष कार्यकारिणी नेतृत्व के माध्यम से आगामी रणनीति बनाई जाएगी और संघर्ष तेज किया जाएगा।

विर्क अस्पताल में दिल के मरीज का कोरोनरी एंजियोग्राफी के जरिए सफल आप्रेशन

करनाल, 12 जून (संदीप रोहिला) : करनाल में एक दिल के मरीज को उस समय बड़ी राहत मिली, जब कोरोनरी एंजियोग्राफी के जरिए डॉक्टर ने उसका सफल ऑपरेशन कर बीमारी को खत्म कर दिया। मरीज हार्ट बाईपास सर्जरी के लिए सहमत नहीं था। डॉक्टर ने उसकी दुविधा को खत्म करते हुए आधुनिक तकनीक कोरोनरी एंजियोग्राफी से उसका आप्रेशन किया। अब मरीज बिल्कुल स्वस्थ है। उल्लेखनीय है कि करनाल के विर्क अस्पताल में डा. सूरज सिंह ने 62 वर्षीय रामपाल कौशिक का सफल आप्रेशन किया। डा. सूरज सिंह

बताते हैं कि मरीज के दिल की तीनों बड़ी नसों में क्रीटिकल ब्लॉकेज मिला था। नसों के ब्लॉकेज में कैल्शियम की मात्रा बहुत अधिक थी। रामपाल पहले भी दूसरे अस्पतालों में सर्जरी करवा चुका था। डॉक्टरों ने उसे बाइपास सर्जर करवाने की सलाह दी थी। इससे रामपाल सहमत नहीं था। जब वह विर्क अस्पताल में पहुंचा तो डा. सूरज ने उनके साथ लंबी चर्चा की। मरीज ने कोरोनरी एंजियोग्राफी पर सहमति जताई। डा. सूरज बताते हैं कि इंट्रावैस्कुलर लिथोट्रिप्सी (आईवीएल) के जरिए ब्लाकेज में कैल्शियम को तोडकर सफलतापूर्वक कोरोनरी एंजियोग्राफी की गई। आप्रेशन में दो घंटे से अधिक का समय लगा। रामपाल कौशिक अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं। बता दें कि आईवीएल द्वारा करनाल में पहली बार एक मरीज का सफल आप्रेशन किया गया है। संभवतया हरियाणा में भी ऐसी सर्जरी पहली बार हुई है। डा. सूरज सिंह के साथ उनकी टीम में डा. रजनीश, अनिल, नीतिन, अंकित और निशा शामिल रहे।

गांव सिंघवा राघो में श्रमिकों को नशे के दुष्प्रभावों बारे किया जागरुक

हिसार, 12 जून (मनमोहन शर्मा) : केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत गांव सिंघवा राघो में मनरेगा योजना के तहत कार्यरत श्रमिकों के बीच नशे के दुष्प्रभावों को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नशे के बढ़ते प्रभाव को रोकना और जमीनी स्तर पर श्रमिक वर्ग को इसके खतरों के प्रति सजग करना रहा। कार्यक्रम का संचालन सिविल अस्पताल हिसार में कार्यरत सुकून काउंसलर एवं नशा मुक्त भारत अभियान के मास्टर वॉलंटियर राहुल शर्मा द्वारा किया गया। श्रमिकों को संबोधित करते हुए राहुल शर्मा ने कहा कि नशा केवल शरीर नहीं, सोच को भी खोखला कर देता है। इससे दूर रहना न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए, बल्कि आपके परिवार और भविष्य के लिए भी अनिवार्य है।

उन्होंने श्रमिकों को शराब, तंबाकू, नशीली दवाइयों और अन्य मादक पदार्थों से होने वाले मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही यह संदेश भी दिया गया कि नशा किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की समस्या है और इससे लड़ने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। इसके अलावा उन्होंने सिविल अस्पताल हिसार में संचालित निशुल्क नशा मुक्ति केंद्र की जानकारी भी श्रमिकों को दी। राहुल शर्मा ने कार्यक्रम के दौरान सुकून केंद्र की सेवाओं से भी उपस्थित लोगों को अवगत करवाया गया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र पीड़ित महिलाओं और बच्चों को परामर्श, कानूनी सहायता और संरक्षण प्रदान करता है। कार्यक्रम के समापन पर अवसर पर सभी उपस्थित श्रमिकों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर गांव सिंघवा राघो के मनरेगा मैट राजकुमार, प्रदीप, अनिल सहित 100 से अधिक मनरेगा श्रमिक उपस्थित रहे।

धान की सीधी बिजाई के लिए किराए पर मिलेंगी विभागीय डीएसआर मशीनें : डॉ राजबीर सिंह

हिसार, 12 जून (मनमोहन शर्मा) : कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा धान की सीधी बिजाई को बढ़ावा देने के लिए किसानों को डीएसआर (डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस) मशीनें किराए पर उपलब्ध करवाई जा रही हैं। विभाग के पास उपलब्ध दो डीएसआर मशीनें किसानों को मात्र 115 रुपये प्रति एकड़ की दर से किराए पर दी जाएंगी। यह जानकारी देते हुए कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ राजबीर सिंह ने बताया कि इस सुविधा का लाभ लेने के लिए किसानों को पहले बैंक में चालान जमा कराना होगा। मशीन बुकिंग पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर की जाएगी तथा किसान को मशीन विभागीय कार्यालय से स्वयं लेनी होगी। मशीन की टूट-फूट की जिम्मेदारी किसान की होगी और कार्य पूरा होने के बाद मशीन को विभाग में वापिस जमा कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि सीधी बुवाई तकनीक से पौध लगाने की आवश्यकता नहीं होती और इससे लगभग 30 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है। साथ ही, मजदूरी और श्रम की भी बचत होती है और बार-बार खेत में पानी भरने की जरूरत नहीं पड़ती। इसके अलावा किसान डीएसआर मशीन की खरीद पर अनुदान प्राप्त करने के लिए 10 जुलाई 2025 तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कुल 40 मशीनों पर 40 हजार रुपये प्रति मशीन अनुदान भी दिया जाएगा, जो दो योजनाओं 25000+15000 स्मैम योजना के तहत मिलेगा। बशर्ते हैं कि किसान के पास ट्रैक्टर की वैध आरसी हो और उसने पिछले तीन वर्षों में किसी मशीन पर अनुदान न लिया हो।

सड़क की दूरी किलोमीटर दो, गढ्ढे बने हुए हैं उसमें सौ

मूनक, 12 जून (जयभगवान) : करनाल व घोगडीपुर के बीच में मूनक के रोड से अनाज मंडी में जीटी रोड़ को जोड़ने वाली सड़क जिसकी लंबाई लगभग 2 किलोमीटर के करीब है। जिसमें सैकड़ो से अधिक गड्ढे हो रहे हैं और साइड में दोनों तरफ से कई जगह पर किनारे पूरी तरह से टूटे हुए हैं। किसाने व राहगीरों के लिए यह सड़क गले का फांस बनी हुई है। वैसे तो सरकार अनेक को सड़क बना रही है। परंतु इसकी तरफ ध्यान ही नहीं दे रही। यह सड़क शहर की भीड़ से बचने के लिए इस सड़क का भी ज्यादा उपयोग हो रहा है। क्योंकि यह सड़क अनाज मंडी से होती हुई जीटी रोड को जोड़ती है। जिसमें हजारों की संख्या में इस सड़क से वाहन गुजरते हैं। कहीं वर्षों से टूटी हुई है ।पहले यह सड़क मार्केटिंग कमेटी द्वारा बनाई गई थी। अब ग्रामीण मार्केटिंग कमेटी से इसके बारे में मिले तो उन्होंने अपना पल्ला झाड़ने हुए कहा कि एक वर्ष के लगभग यह सड़क जिला परिषद में चली गई। जिसकी रिपेयर उनके द्वारा की जाएगी। परंतु जिला परिषद के अधिकारियों से संपर्क करना चाह तो उन्होंने कोई भी संतोष जनक जवाब नहीं दिया। राहगीर रमेश, दिनेश, राजपाल, रामपाल, रामरतन, गणेश, सोहनलाल, महेंद्र सिंह, अजय कुमार अन्य का कहना है कि कई बार इस सड़क पर गड्ढे होने के कारण अनेक वाहन पलट चुके हैं और चोटे भी लग चुकी है। परंतु प्रशासन इसकी तरफ से आंख बद कर सो रहा है।

जिला रोजगार कार्यालय और राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रोजगार मेले का आयोजन : डॉ. अरुण कुमार

यमुनानगर, 12 जून (संजीव कुमार) : जिला रोजगार अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय यमुनानगर द्वारा आई.टी.आई. यमुनानगर के प्रांगण में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले का शुभारंभ ललित मैहला, ए.जी.एम चंद्रपुर वर्कस ने रिबन काटकर किया गया। उन्होने सभी प्रार्थियों को शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि का जिला रोजगार अधिकारी अरुण कुमार व

प्रिंसिपल राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, यमुनानगर दिपेश महेन्द्र ने बुके एवं मोमेंटों भेट कर सम्मानित किया। जिला रोजगार अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि इस जॉब फेयर में मैसर्ज चन्द्रपुर वर्कस प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्ज ईरील एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्ज हीरो साइकिल कार्पोरेशन लिमिटेड, मैसर्ज स्वराज एम एंड एम, मैसर्ज अशोका लेलैंड सहित विभिन्न कंपनियों ने भाग लिया और इनके द्वारा लगभग 2000 रिक्तियों के लिए मैट्रिक, 12वीं, आई. टी.आई तथा डिप्लोमा पास प्रार्थियों को नौकरी हेतु साक्षात्कार लिया गया। इस रोजगार मेले में लगभग 700 प्रार्थियों ने भाग लिया। कंपनियों द्वारा शॉर्टलिस्ट किए गए प्रार्थियों की जानकारी ईमेल के माध्यम से कार्यालय में भेजी जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि ऐसे रोजगार मेलों का आयोजन रोजगार विभाग द्वारा समय-समय पर प्रार्थियों को रोजगार देने के लिए करवाया जाता है। इस रोजगार मेले के आयोजन में रोजगार कार्यालय, यमुनानगर के आंकडा सहायक रिशिपाल, रणबीर सिंह, सहायक एवं कमल कुमार, लिपिक ने विशेष रूप से सहयोग किया।

समाधान शिविर में अतिरिक्त उपायुक्त ने सुनी जन शिकायतें

हिसार, 12 जून (मनमोहन शर्मा) : अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक सोमवार और वीरवार को समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है। स्थानीय लघु सचिवालय के जिला सभागार में नागरिकों अपनी विभिन्न समस्याएं रखते हैं। अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने वीरवार को भी लोगों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह एक अनूठी पहल है कि जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

समाधान शिविरों के माध्यम से नागरिक एक ही छत के नीचे प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रख रहे हैं।

अतिरिक्त उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में प्राप्त शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए और शिकायतकर्ता को समाधान की जानकारी भी समय रहते दी जाए। समाधान शिविर में जमीन संबंधी विवाद, पेंशन, राशन कार्ड, जल निकासी, सडक् मरम्मत, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित कई विषयों पर नागरिकों की समस्याएं दर्ज की गई हैं। अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने जनता से इन शिविरों में सामुहिक और निजी समस्याओं के समाधान के लिए बढ़-चढ़ कर भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि समाधान शिविर का आयोजन प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को जिला सभागार में सुबह 10 से 12 बजे तक किये जाते है। इस अवसर पर एसडीएम ज्योति मित्तल, नगराधीश हरिराम, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सिंह, एएमसी प्रदीप कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार के 11 सालों के विकास कार्यों का लेखा-जोखा है प्रदर्शनी : सुभाष सुधा

कुरुक्षेत्र, 12 जून (सुदेश कुमार) : पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष में देश 10वें स्थान से चौथे नंबर की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 29.8 लाख करोड़ के आत्मनिर्भर भारत पैकेज से कोविड-19 के दौरान एमएसएमई और व्यवसायों को मदद मिली है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का काम किया जाएगा।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने वीरवार को सरकार की 11 साल की उपलब्धियों पर लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस दौरान उनके साथ उपायुक्त नेहा सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी भी शामिल रहे। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि इस प्रदर्शनी में सरकार के पिछले 11 वर्षों की उपलब्धियों और योजनाओं का ब्योरा है। सरकार ने 11 साल में कौन-कौन सी योजनाएं लागू की और उन योजनाओं का कितने लोगों को क्या-क्या लाभ दिया गया। इस बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है। नागरिकों को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रदर्शनी को देखना चाहिए और सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में ना तो लोगों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचती थी और ना ही योजनाओं के लाभ की जानकारी दी जाती थी। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि पिछले 11 वर्षों 2014 से 2025 में भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 54,917 किलोमीटर का विस्तार किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 2014 से अब तक 3.96 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनाई गई हैं। अब कोई भी ऐसा जिला नहीं है जो फोरलेन से ना जुड़ा हुआ हो। डीबीटी के जरिए 44 लाख

करोड़ रुपये वितरित हुए, जिससे फर्जीवाड़े को रोकते हुए 3.48 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत संसद व विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। पहली बार महिलाओं को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश का रास्ता बनाया है।

इसके साथ ही मातृत्व अवकाश 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया है। उन्होंने कहा कि पीएम मातृ वंदना योजना के तहत करीब 3.9 करोड़ गर्भवती महिलाओं को 18,593 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता सीधे खातों में भेजी जा रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से 300 यूनिट मुफ्त बिजली, सौभाग्य योजना से 100 प्रतिशत घरों में बिजली कनेक्शन लगाए गए हैं। मुद्रा योजना के अंतर्गत छोटे उद्यमियों को 32 लाख करोड़ राशि के 52 करोड़ ऋण वितरित किए गए हैं।

वर्ष 2014 में 5 शहरों तक सीमित मेट्रो की सेवाएं को 2025 में 23 शहरों तक पहुंचाया गया है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 55 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष 5 लाख तक का नि:शुल्क इलाज किया गया और 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को भी लाभ मिला है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 81 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त राशन मिल रहा है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ मकान बनाए गए। हर घर जल योजना के अंतर्गत 15 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से जल मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 51 करोड़ लोगों को सुरक्षा कवरेज दी गई है। प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के तहत 68 लाख रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को बिना जमानत ऋण उपलब्ध करवाया गया है।

उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 7 करोड़ किसानों को 10 लाख करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। वहीं मेगा फूड पार्क की संख्या 2014 में 3 से बढ़कर 2024 में 24 तक पहुंचाई गई है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किसानों के लिए भावांतर भरपाई योजना, फसल की 72 घंटे में सीधी किसानों के खातें में पेमेंट भेजने की योजना को लागू किया। इसी तरह सबसे पहले सरसों की 25 फीसदी फसल को एमएसपी पर खरीद करने की योजना को लागू किया।

प्रदर्शनी के माध्यम से सरकार ने पेश किया 11 सालों का लेखा-जोखा

जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश में किस गति से विकास कार्यों को करवाया जा रहा है।

सरकार ने 11 वर्षों के लेखा-जोखा को प्रदर्शनी के माध्यम से दर्शाया गया है। इतना ही नहीं पिछले सरकार के साथ कामों की तुलना भी दर्शाई गई है।

उन्होंने जिला वासियों से अपील की कि वो इस प्रदर्शनी में हिस्सा लेने अपने काम की योजनाओं और जानकारियों को इकट्ठा करें। साथ ही दूसरों तक भी इन जानकारियों को पहुंचाएं।

आईटीआई उमरी में लगाया बाल मजदूरी पर विशेष शिविर

कुरुक्षेत्र, 12 जून (सुदेश कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस पर कैंपेन का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि लेबर विभाग के सहयोग से नई अनाज मंडी और आईटीआई उमरी में बाल मजदूरी पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस शिविर बाल मजदूरी करना और करवाना अपराध है। इसके खिलाफ हम सभी को आवाज उठानी चाहिए तथा विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस का उद्देश्य बाल मजदूरी को रोकना है।

बाल विवाह रोकथाम पर किया गया शिविर आयोजित

कुरुक्षेत्र, 12 जून (सुदेश कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नालसा आशा स्कीम 2025 के बारे में जागरूकता शिविर लगाया गया। सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि इस शिविर में रिसोर्स पर्सन सविता राणा द्वारा गांव अमरगढ़ में बाल विवाह पर जागरूक किया गया। उन्हें समझाया गया कि बाल विवाह एक अपराध है तथा इस पर हम सभी को रोक लगानी होगी समाज को जागरूक करना होगा। इसके अलावा उन्हें नालसा आशा स्कीम 2025 की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि डीएलएसए द्वारा लगाए गए इन शिविरों का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है।

निगम की टीम ने संस्थाओं के साथ मिलकर गौशाला की सफाई की

यमुनानगर, 12 जून (दिनेश कुमार) : स्वच्छता पखवाड़ा के तहत वीरवार को नगर निगम की टीम ने विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर गीता भवन स्थित गौशाला में सफाई अभियान चलाया। अभियान के तहत निगम कर्मियों ने संस्थाओं के पदाधिकारियों व आसपास के साथ मिलकर गौशाला व उसके आसपास के क्षेत्र की सफाई की। मेयर सुमन बहमनी व नगर निगम आयुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर एक जून से 21 जून तक स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जा रहा है। पखवाड़े के तहत वीरवार को नगर निगम की टीम गीता भवन स्थित गौशाला पहुंची। नगर निगम की आईईसी एक्सपर्ट पूजा अग्रवाल के नेतृत्व में पहुंची स्वच्छता टीम के साथ सृष्टि जन कल्याण समिति के अध्यक्ष मीनू चसवाल, स्नेह सेवा ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता सेन, श्रीजी सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष नीरू चौहान, सचिव नीरज कालडा, सुदर्शन फाउंडेशन के अध्यक्ष संदीप बजाज, आल इंडिया समाज सेवा केंद्र के अध्यक्ष मनमोहन सिंह आदि भी गौशाला पहुंचे। इन्होंने झाड़ू लगाकर गौशाला व आसपास के क्षेत्र की सफाई की। साथ ही गौवंशजों को फल व अन्य खाद्य सामग्री खिलाई। निगम की टीम द्वारा

गौशाला के सेवकों को नालियों में गोबर व घास न बहाने, पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने और सूखा और गीला कचरा अलग अलग करके उसका निपटान करने के प्रति जागरूक किया। निगम के इस अभियान में आसपास के लोगों ने भी सहयोग किया। निगम की टीम व समाजसेवी संस्थाओं ने आसपास के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने लोगों को खुले में कचरा न डालने, सूखा व गीला कचरा अलग अलग करके निगम के वाहन को देने व प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने के प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा घर से निकलने वाले पुराने सामान को खुले में न फेंक कर ट्रिपल आर (रिसाइकल, रीयूज व रिड्यूस) केंद्र पर देने के लिए समझाया गया। अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार व उप निगम आयुक्त कुलदीप मलिक ने लोगों से नगर निगम के इस अभियान से जुड़ने और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की अपील की।

युवाओं को जागरूक करने के लिए पुलिस ने गांव में करवाया खेलों का आयोजन

हांसी, 12 जून (मनमोहन शर्मा) : एस.पी हांसी अमित यशवर्धन, भा.पु.से. के दिशा-निर्देशानुसार नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत हांसी पुलिस द्वारा गांव सुल्तानपुर में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना और उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखना है। हांसी पुलिस नशा मुक्ति टीम के प्रभारी उप निरीक्षक रामफल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में ढंडेरी, रामायण, देपल, उमरा, सुल्तानपुर व लाडवा की टीमों ने भाग लिया। खो-खो प्रतियोगिता में गांव डंडेरी और सुल्तापुर की टीमों ने भाग लिया।

फुटबॉल प्रतियोगिता का विवरण : सेमीफाइनल-1 गांव रामायण व सुल्तानपुर के बीच कांटे का मुकाबला हुआ, जिसमें सुल्तानपुर की टीम ने 7-6 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल-2 : गांव लाडवा व देपल के जबरदस्त मुकाबला हुआ। जिसमें देपल गांव की टीम ने आखरी मिनट में मैच को जीत लिया। फाइनल मुकाबला : गांव देपल और सुल्तानपुर टीमों के बीच हुआ। बेहद रोमांचक मुकाबले में सुल्तानपुर की टीम ने 8-7 से विजयी रहकर खिताब अपने नाम किया।

खो-खो प्रतियोगिता : खो-खो में गांव डंडेरी व सुल्तानपुर गांव की टीमों की बीच हुआ, जिसमें डंडेरी की टीम विजेता रही।

नशा मुक्ति और जागरूकता संदेश : जिला निरीक्षक नरेन्द्रपाल ने प्रतियोगिता के दौरान ग्रामीणों, युवाओं और खिलाड़ियों को नशे के दुष्परिणामों, यातायात नियमों, और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। नाबालिगों को वाहन न चलाने के लिए प्रेरित किया। नशा बेचने वालों के खिलाफ सूचना देने हेतु लोगों को प्रोत्साहित किया। अंत में सभी युवाओं ने नशे के खिलाफ जागरूक रहने और समाज को जागरूक करने की शपथ ली। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता टीम को हांसी पुलिस द्वारा आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और सभी खिलाड़ियों को रिफ्रेशमेंट भी प्रदान की गई।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का यमुनानगर जिले में सफल समापन : डीसी

यमुनानगर, 12 जून (संजीव कुमार) : डीसी पार्थ गुप्ता ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा देशभर में चलाए गए विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए), का

समापन आज यमुनानगर जिले में सफलतापूर्वक हुआ। यह अभियान जिले में 15 दिनों तक (29 मई से 12 जून 2025) संचालित रहा, जिसके अंतर्गत वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों ने लगभग 135 गाँवों में पहुँचकर 13,000 से अधिक किसानों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित किया। जिले के लगभग सभी खंडों को इस अभियान के अंतर्गत सम्मिलित किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हो सका कि अभियान का लाभ व्यापक स्तर पर किसानों तक पहुँचे। उन्होंने बताया कि इस अभियान में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के अंतर्गत कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्र, यमुनानगर के वैज्ञानिकों के साथ-साथ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्स्य विभाग, बागवानी विभाग, इफको तथा कृभको के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की और अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जिले भर में आयोजित किसान चौपालों और संवाद सत्रों के माध्यम से किसानों को नई कृषि तकनीकों, अनुसंधान आधारित नवाचारों और कृषि से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग, बागवानी आधारित कृषि मॉडल, जलवायु अनुकूल खेती और फसल विविधीकरण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों की वास्तविक समस्याओं को जानना, उनके अनुभवों को सुनना, और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समाधान की दिशा में अनुसंधान संस्थानों को सशक्त करना रहा। अभियान के दौरान कई प्रगतिशील किसानों की पहले और नवाचार भी चिन्हित किए गए, जिनसे अन्य किसान प्रेरणा ले सकते हैं। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वयं इस अभियान के उद्देश्य को रेखांकित करते हुए कहा था कि अब कृषि अनुसंधान खेतों तक पहुंचेगा और किसानों के साथ सीधा संवाद किया जाएगा। इसी सोच के अनुरूप, यमुनानगर जिले में यह अभियान सभी विभागों एवं संस्थानों के समन्वित प्रयास से प्रभावी ढंग से संचालित किया गया। यह अभियान न केवल किसानों को अद्यतन तकनीकी जानकारी देने में सफल रहा, बल्कि उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझ कर भविष्य की कृषि नीतियों एवं शोध को दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण प्रयास भी सिद्ध हुआ।

कालेज को माइनोइरटी स्टेटस मिलने से अब विद्यार्थी और शिक्षकों को होगा फायदा : स. कंवरजीत सिंह प्रिंस

करनाल, 12 जून (संदीप रोहिला) : गुरु नानक खालसा कॉलेज रेलवे रोड करनाल को अल्प संख्यक स्टेटस प्राप्त हुआ है। इस बारे में जानकारी देते हुए कालेज प्रबन्धन समिति के प्रधान स. कंवरजीत सिंह प्रिंस ने बताया कि ये कॉलेज परिवार के लिए अत्यंत हर्ष का विषय हैं कि सरकार ने कॉलेज को ये उपलब्धि प्रदान की है। उन्होंने बताया कि अब कालेज भारत के चुनिदा कालेजो में आता है जिसका फायदा भविष्य में विद्यार्थियों और शिक्षकों को होगा। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. शशि मदान से बताया कि माइनोइरटी स्टेटस मिलने से अब विद्यार्थी सीधे ऑफलाइन तरीके से दाखिले ले सकते है, उन्हें ऑन लाइन आवेदन की जरूरत नही होगी । प्राचार्या ने बताया कि कॉलेज में यूजी स्तर पर 860 सीटें हैं और पीजी स्तर पर 240 सीटें हैं। वर्तमान में कॉलेज में दाखिले जारी है और काफी विद्यार्थियों ने दाखिले भी ले लिए है।

प्राचार्या ने बताया की कोई भी विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से कालेज आ कर एडमिशन ले सकता है इसके लिए शिक्षक और स्टाफ, कॉलेज में एडमिशन कर भी रहा है। उन्होंने बताया की इस बार बी. सी. ए. ए. आई का नया कोर्स भी शुरू किया है जिसके वर्तमान समय में अनेक स्कोप है और ये छात्र- छात्राओं के लिए अत्यंत रोजगारपरक कोर्स हैं। इनके अतिरिक्त अन्य विषयों में भी डायरेक्ट एडमिशन ले सकते है। कालेज मे दाखिले को ले कर तांता लगा हुआ है और विधार्थी हर रोज दाखिले ले रहे है।

प्राचार्य ने बताया कि हमारी शिक्षा समिति में प्रो. अन्जु चौधरी, डॉ. कृष्ण अरोड़ा, प्रो. चेष्टा अरोड़ा, डॉ. बीर सिंह, डॉ. जतिन्दरपाल सिंह, प्रो. प्रशान्त, प्रो. विनीता जागलान, प्रो. अनिल कुमार सिंह, प्रो. अजय, वजीर सिंह तथा अन्य स्टॉफ दाखिले कर रहा है।

सफाई कर्मचारियों के प्रति संवेदना रखते हुए अधिकारी दें उन्हें सभी सुविधाएं : डॉ मनोज कुमार

सोनीपत, 12 जून (विनोद) : उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि सीवर व सेफ्टी टैंक मृत्यु का डाटा नमस्ते ऐप पर अपडेट करने व सफाई कर्मचारियों के प्रति संवेदना रखते हुए उन्हें मूलभूत सुविधाएं प्रदान करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीवरेज की सफाई के लिए मशीनों का ही प्रयोग करें। बिना सेफ्टी किट के सफाई कर्मचारियों से सीवरेज की सफाई करवाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीवर सफाई के दौरान मृत्यु पर आश्रितों को तीस लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, इसलिए अधिकारी ऐसे केसों में पीड़ित आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान करवाने के लिए बेहतर प्रयास करें। इसके साथ ही सभी सफाई कर्मचारियों की वर्ष में दो बार स्वास्थ्य जांच करवाना सुनिश्चित करें। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों को उनके लिए केन्द्र व हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लिए जागरूकत करें ताकि वे इनका लाभ उठा सके। उपायुक्त ने कहा कि सफाई कर्मचारियों के प्रति संवेदना रखते हुए अधिकारी उन्हें सभी सुविधाएं देने के लिए प्रयास करें ताकि उनको भी समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि हम जब तक सफाई कर्मचारियों के बारे में नहीं सोचेंगे। तो हम अपने शहरों को कैसे स्मार्ट व साफ-सूथरा बना पाएंगे। इसलिए सभी मिलकर

प्रयास करें कि सफाई कर्मचारियों की सभी परेशानियों को समझा जाए और उन्हें दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि खेतो में ट्यूबल के बंद कुओं मे कार्य करते हुए सेफ्टी किट का प्रयोग अवश्य किया जाए। उन्होंने बताया कि एमएस एक्ट 2013 के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिए है कि अगर किसी सफाई कर्मचारी की मौत अगर सीवरेज या सेफ्टी टैंक की सफाई करते हुए होती है। फैक्ट्री मालिक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करना सुनिश्चित करें तो सफाई करवाने वाली कंपनी या विभाग पर कार्यवाही की जाएगी और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एमएस एक्ट 2013 के अनुसार वर्ष 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने मौत होने पर इस मुआवजा राशि को 10 लाख रूपये से बढ़ाकर 30 लाख रूपये कर दिया है। इसके अलावा अगर इस स्थित में कोई सफाई कर्मचारी गंभीर चोट लगकर दिव्यांग हो जाता है तो उसे 20 लाख रूपये तथा अन्य किसी प्रकार की चोट लगने पर 10 लाख रूपये मुआवजा राशि दी जाएगी। इस अवसर पर एसीयूटी योगेश दिल्हौर, नगराधीश डॉ. अनमोल , एसीपी क्राइम राजपाल, डीडीपीओ जितेंद्र कुमार, एचएसआईआईडीसी के एक्सईएन जगदीश, एचएसवीपी से एक्सईएन पवन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क पर जमा पानी की निकासी ना होने से परेशान लोगों ने किया रोष जाहिर

जगाधरी, 12 जून (रोहतास कुमार) : भारतीय किसान यूनियन ने मुज़ाफ़त कला में सड़क पर जमा हो रहे पानी को लेकर प्रशाशन और पंचायत के खिलाफ सड़क पर जमा होकर रोष जाहिर किया। भारतीय किसान यूनियन के जिला संयोजक और प्रभारी हिमाचल प्रदेश मानसिंह के नेतृत्व में किसान यूनियन के सदस्यों ने जिला प्रशासन को 15 जून तक का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि प्रशाशन या पंचायत द्वारा इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन 16 जून को जिला उपायुक्त से मिलेगे और समस्या से अवगत करवाएंगे। उन्होंने कहा कि उनके गांव मुजाफ़त कला में आज तक निकासी के पानी का समाधान नहीं हो पाया है और नालियों का सारा गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। सड़क पर जमा यह गंदा पानी आने जाने वाले राहगीरों के लिए मुसीबत बना हुआ है और इसी गंदे पानी से बदबू और कीड़े मकोड़े पास के घरों में जा रहे है। इस मौके पर जिला सचिव सुखदेव सिंह, अल्पसंख्यक के अध्यक्ष सिलेवान, ब्लॉक अध्यक्ष जयकरण, सरदार महासिंह और राजेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

राजकीय महाविद्यालय छछरौली में योग शिविर का आयोजन

जगाधरी, 12 जून (रोहतास कुमार) : राजकीय महाविद्यालय छछरौली में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के दिशा निर्देशानुसार राजकीय महाविद्यालय छछरौली और राजकीय महाविद्यालय प्रतापनगर के संयुक्त तत्वावधान में 21 जून 2025 को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दोनों

महाविद्यालयों से लगभग 120 विधार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजीव कुमार की अध्यक्षता और डॉ बलविंदर सिंह के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न में सम्पन्न हुआ। आयुष विभाग, प्रतापनगर से डॉ शिखा अग्रवाल के नेतृत्व में योग प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को योग का प्रशिक्षण दिया और योग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्राचार्य महोदय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग जीवन के सभी क्षेत्रों में सामंजस्य लाता है और बीमारियों को रोकने, स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और जीवनशैली से संबंधित कई विकारों के इलाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ बलविंदर सिंह ने बताया कि योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देता है। प्रो. सतबीर सिंह ने बताया कि योग मन और शरीर, मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य का प्रतीक है। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त पाण्डेय ने निर्देश देकर तुरंत कराया अवंती बाई चौक पर प्रमुख राइजिंग पाइप लाइन का संधारण

भिलाई 12 जून (निस) अवंती बाई चौक के पास राइजिंग पाइपलाइन पंचर हो गयी इसके कारण पानी सप्लाई 5000 घरों में बाधित हो रहा था। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निर्देश दिया कि गर्मी को देखते हुए बिना देर किए काम शुरू किया जाए। इसके बाद उपअभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा अपनी टीम को लेकर युद्ध स्तर पर कार्य करवाया जिसका नतीजा यह रहा कि पाइप लाइन ठीक हो गई है। पहले पानी की टंकी भरी हुई थी, उसके माध्यम से 12 घंटे तक जलापूर्ति सुविधा सुचारू रूप से बहाल की गई। पानी का सप्लाई नियमित रूप से होगा। इस सप्लाई से उस क्षेत्र के 5000 से अधिक परिवारों को नियमित पीने का पानी मिलने लगेगा। बता दें अवंती बाई चौक के समीप फरीदनगर टंकी से संयोजित 300 डाया की प्रमुख राइजिंग पाइप लाइन गुजरती है। इसके माध्यम से फरीद नगर एवं उससे लगे हुए क्षेत्र में नियमित पानी सप्लाई पाइप लाइन किया जाता है। दो दिनों में लगभग 5000 घरों में जलापूर्ति बाधित थी। दो से तीन जगहों पर लीकेज था, उसे ठीक कराया गया, फिर भी सप्लाई में समस्या आ रही थी। निगम के अभियंताओं द्वारा गहनता के साथ पता किया गया, तो पता चला कि अवंती बाई चौक के पास राइजिंग पाइपलाइन पंचर हो गयी। इसके बाद इसका संधारण किया गया।

रिकेश सेन ने की लोगों से अपील– वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल लोगों से अपील किए है कि पानी बहुत कीमती है, अक्सर देखने में आता है कि लोग अपने घर का पानी भर लेने के बाद नल बंद नहीं करते हैं। व्यर्थ पानी नाली में डालकर बर्बाद कर देते हैं। एक जगह का नल खुला छोड़ देने से दूसरे जगह पानी का प्रेशर कम हो जाता है, जिससे पानी च? नहीं पाता है। यह सभी के सहयोग से होगा। नगर निगम अपना प्रयास कर रहा है, नागरिक भी सहयोग करें।

हीटवेव से बचाने में दिल्ली सरकार नाकाम देवेंद्र यादव ने दिलाई घोषणाओं की याद

नई दिल्ली 12 जून (निस) दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली में झुलसाने वाली भीषण गर्मी ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और जहां सड़कों, सार्वजनिक स्थलों, बस स्टॉप, बाजारों में दिल्लीवालों को अपनी अजीविका चलाने के लिए हीट वेव से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अप्रैल के मध्यांतर में हीटवेव से बचाने के लिए जो व्यापक योजना की घोषणा की थी, शायद बीजेपी सरकार उसको भूल चुकी है और यह योजना भी बीजेपी के 100 दिन के कार्यकाल में की गई खोखली घोषणाओं को प्रदर्शित करती है। देवेंद्र यादव ने कहा कि बीजेपी की ट्रिपल इंजन सरकार भ्रमित करने की कार्यशैली के कारण पिछली घोषणाओं को भूलकर दिल्ली की जनता की अनदेखी कर रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री को दिल्लीवालों की परेशानियों से कोई सरोकार ही नहीं है। देवेंद्र यादव ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने हीटवेव से दिल्लीवालों को राहत देने के लिए जिस व्यापक योजना की घोषणा की थी उसमें 3000 वाटर कूलर, सार्वजनिक स्थानों पर शीतल केन्द्र, बस स्टॉपों पर शीतल जल का इंतजाम, फुटपाथों पर छायादार संरचनाएं और हरित छतें आदि बनाने का प्रस्ताव रखा गया था और बड़े अस्पतालों में भीषण गर्मी से प्रभावित लोगों के उपचार के लिए हीटवेव वार्ड बनाने की घोषणा की थी। परंतु दिल्ली कांग्रेस द्वारा दौरा करने पर उजागर हो चुका है बीजेपी सरकार का हीटवेव से निपटने का कोई इंतजाम नहीं है। देवेंद्र यादव ने कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि दिल्ली कैबिनेट में विस्तृत चर्चा करने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हीटवेव से निपटने की व्यापक योजना की घोषणा की थी, जिसका इस समय झुलसाने वाली गर्मी पड़ने के वक्त जमीनी स्तर पर अता पता नहीं है। उन्होंने कहा कि जुमले छोड़ना और झूठी योजनाओं का प्रचार करना बीजेपी की कार्यशैली का हिस्सा है।

बुलडोजर कार्रवाई पर भड़के एआईएमआईएम नेता शोएब जमई

नई दिल्ली 12 जून (निस) दिल्ली में अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई जारी है। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद राजधानी में लगभग 1200 झुग्गियों को तोड़ा जा रहा है। इस कार्रवाई के खिलाफ एआईएमआईएम दिल्ली अध्यक्ष शोएब जमई ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, दिल्ली में हर तरफ बुलडोजर का एक्शन चल रहा है। गरीबों का आशियाना हर रोज उजाड़ा जा रहा है। 30-40 साल से दिल्ली में रह रहे परिवार भी सुरक्षित नहीं। उन्होंने आगे सवाल किया, हिंदू हो या मुस्लिम सबके घर तोड़ दिए गए। क्या बीजेपी को दिल्ली में इसलिए जनता ने जिताया था। बुलडोजर पर लगाम कब लगेगा? बता दें कि इस कार्रवाई को लेकर दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पहले ही अपना रुख साफ कर दिया है। उन्होंने कहा है कि यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर आधारित है और इसमें सरकार की कोई सीधी भूमिका नहीं है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी कहा कि अधिकारी कोर्ट के निर्देशों की अनदेखी नहीं कर सकते और जहां तक संभव है, विस्थापित लोगों को वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने मानसून से पहले नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास के अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए थे, जिससे बरसात के मौसम में जल निकासी बाधित न हो। गौरतलब है कि जहां भी यह ध्वस्तीकरण किया जा रहा है, वहां पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भारी तैनाती की जा रही है, ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे। स्थानीय लोग, जिनका घर टूटे हैं, वे इस कार्रवाई को लेकर निराश और आक्रोशित हैं।

लंग्स ट्रांसप्लांट से 65 वर्षीय महिला को मिली नई जिंदगी करीब 7 घंटे तक चली सर्जरी

नई दिल्ली 12 जून (निस) दक्षिणी दिल्ली में इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में फेफड़ों की गंभीर बीमारी से पीड़ित 65 वर्षीय महिला को फेफड़े प्रत्यारोपण से नई जिंदगी दी गई। महिला एक दुर्लभ आटोइम्यून स्थिति स्क्लेरोडर्मा के कारण होने वाली इंटरस्टिशियल लंग डिजीज (आइएलडी) से पीड़ित थी। इसके चलते पिछले करीब एक साल से मरीज आक्सीजन पर निर्भर थी। अस्पताल में फेफड़ों का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर उसे जीवनदान दिया गया। मरीज को 14 मई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उसे प्रति मिनट चार से पांच लीटर की ऑक्सीजन सहायता की जरूरत पड़ रही थी। बताया गया कि डा. अवधेश बंसल, सीनियर कंसल्टेंट, रेस्पिरेटरी मेडिसिन और डा. मुकेश गोयल, सीनियर कंसल्टेंट, कार्डियोथोरेसिक ने मरीज की जांच कर फेफड़ा प्रत्यारोपण का सुझाव दिया। 15 मई को, फोर्टिस अस्पताल, नोएडा में एक ब्रेन-डेड मरीज डोनर की जानकारी मिली और देर रात फेफड़ों को निकाल प्रत्यारोपण सर्जरी शुरू की गई।

वन भूमि मंजूरी मिलने से दिल्ली में पानी का संकट खत्म करेगी ये परियोजना

नई दिल्ली 12 जून (निस) पानी की कमी से परेशान दिल्ली पिछले कई वर्षों से रेणुका बांध के पूरा होने का इंतजार कर रही है। बांध के निर्माण में वन भूमि उपयोग की मंजूरी नहीं मिलना बड़ी बाधा थी। केंद्र सरकार ने पिछले दिनों यह मंजूरी मिल गई है। इससे निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। फिर भी दिल्लीवासियों को इसके पानी के लिए वर्ष 2032 तक इंतजार करना होगा। क्योंकि, वर्ष 2030 तक इसका निर्माण कार्य पूरा होने का अनुमान है। फिर इसके जलाशय भरने में डेढ़ वर्ष लगेंगे। इससे मिलने वाले जल पर दिल्ली में प्रस्तावित जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) निर्भर हैं। दिल्ली सरकार ने राजधानी में पानी की कमी दूर करने के लिए तीन नए डब्ल्यूटीपी इरादतनगर (उत्तर पश्चिम जिला), नजफगढ़ (दक्षिण-पश्चिम जिला) और छतरपुर (दक्षिण जिला) में बनाने का प्रस्ताव तैयार किया है। इससे दिल्लीवासियों को 235 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) पानी उपलब्ध होगा। वर्तमान में दिल्ली को 1250 एमजीडी पानी की आवश्यकता है, परंतु उपलब्धता लगभग 950 एमजीडी की है। उत्तराखंड के देहरादून जिले में यमुना पर लखवार बांध परियोजना, उत्तराखंड के देहरादून व हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में टोंस नदी पर किशाऊ बांध परियोजना और हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिला के गिरि नदी पर रेणुकाजी बांध परियोजना के निर्माण होने पर दिल्ली में पानी की समस्या दूर होने की उम्मीद है। 1976 में हिमाचल प्रदेश के ऊर्जा विभाग ने रेणुका झील के पास दादाहू में बांध बनाने का प्रस्ताव तैयार किया था। दो दशक बाद 1993 में हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड ने इस परियोजना का विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जिसके उद्देश्य में दिल्ली को जल आपूर्ति को भी रखा गया।

भीषण विमान हादसा, 242 मरे...

पृष्ठ एक का शेष ...आवाज के साथ सीधा एक पांच मंजिला इमारत से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इमारत का एक बड़ा हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। आसपास के कई मकानों की खिड़कियां और दीवारें भी टूट गईं।

राहत कार्य जारी, मलबे में फंसे हो सकते हैं लोग

दमकल, NDRF और पुलिस की टीमें घटनास्थल पर जुटी हुई हैं। क्रेन और कटिंग उपकरणों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। आशंका है कि बिल्डिंग के भीतर भी कुछ लोग फंसे हो सकते हैं। घायलों को शहर के बड़े अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

कौन थे पायलट और कितने लोग थे सवार?

विमान को कैप्टन सुमीत सभरवाल उड़ा रहे थे, जिनके पास 8200 घंटे का उड़ान अनुभव था। फ्लाइट में कुल 242 लोग सवार थे — जिनमें 230 वयस्क यात्री, 11 बच्चे, 2 नवजात, 10 क्रू और 2 पायलट शामिल थे।

मृतकों के रिश्तेदारों का लिया जाएगा डीएनए सैंपल

इस बड़े हादसे के बाद मारे गए लोगों की पहचान करना मुश्किल हो गया है, इसलिए अब अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में मृतकों के परिजनों से डीएनए सैंपल लिए जा रहे हैं।

यह प्रक्रिया बी.जे. मेडिकल कॉलेज के कसोटी भवन (परीक्षण केंद्र) में हो रही है। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव धनंजय द्विवेदी ने बताया कि जिनके परिजन इस हादसे में लापता हैं, वे माता-पिता, बच्चे या नजदीकी रिश्तेदार होकर डीएन सैंपल दे सकते हैं। इससे जल्द से जल्द शवों की पहचान की जा सकेगी। प्रशासन ने सभी प्रभावित परिवारों से सहयोग करने की अपील की है।

घायलों का इलाज जारी, हेल्पलाइन नंबर भी जारी

वहीं हादसे में घायल हुए 50 लोगों का इलाज अहमदाबाद सिविल अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। सभी की हालत फिलहाल स्थिर बताई गई है। अस्पताल प्रशासन ने यात्रियों के परिजनों की मदद के लिए दो हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं, जिन पर कॉल करके मरीजों की स्थिति की जानकारी ली जा सकती है।

सीएम सैनी ....पृष्ठ एक का शेष ...संपत्ति का पूरा और निर्विवाद अधिकार मिले। आज यहां जो स्वामित्व पत्र और रजिस्ट्रियां सौंपी जा रही हैं, ये आपके स्वाभिमान का दस्तावेज़ है, ये आपके भविष्य की सुरक्षा गारंटी है और वर्षों से चले आ रहे भूमि विवादों का अंत है।

स्वामित्व योजना लाखों परिवारों के लिए साबित हो रही वरदान – मुख्यमंत्री ने कहा कि लाल डोरे के अंतर्गत गांव में किसी प्रकार की संपत्ति का राजस्व रिकॉर्ड नहीं हुआ करता था और मकान या प्लॉट की खरीद व बिक्री के समय रजिस्ट्री नहीं होती थी। ऐसी संपत्ति पर बैंक से ऋण भी नहीं मिलता था और मालिकाना हक पर भी झगड़े होते रहते थे।

प्रदेश सरकार ने पिछले 11 वर्षों में अनेक कानूनी विवादों का किया समाधान – श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हर पात्र लाभार्थी को उसका हक मिले इसके लिए प्रदेश सरकार ने पिछले 11 वर्षों में अनेक कानूनी विवादों का समाधान किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लम्बे समय से ऐसे अनेक पट्टेदार किसान थे जो सालों से भूमि पर काश्त करते आ रहे थे परंतु वे मालिकाना हक से वंचित थे। इसके अलावा उनपर कानूनी तलवार भी लटकी रहती थी। प्रदेश सरकार ने ऐसे पट्टेदार किसानों को मालिकाना हक देने का काम किया है। इसी प्रकार पंचायत भूमि पर 20 वर्षों से अधिक समय से मकान बनाकर रह रहे लोगों को भी सरकार ने मालिकाना हक दिया है।

केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने लोगों के जीवन को सरल और सुगम बनाया – मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने लोगों के जीवन को सरल और सुगम बनाने का कार्य किया है।

जयपुर हाईकोर्ट में जब मनु की मूर्ति लग सकती है तो ग्वालियर में बाबा साहब अंबेडकर की क्यों नहीं

फिरोजाबाद 12 जून (निस) समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन मंगलवार को फिरोजाबाद में एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में केंद्र की मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर तीखा हमला बोला। सांसद सुमन ने मोदी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल को आम जनता के लिए निराशाजनक और हताशाजनक बताया। उन्होंने कहा, जनता ही असली पैमाना होती है, सरकार आंकड़ों से नहीं, जनविश्वास से चलती है। बीते 11 वर्षों में देश का सामाजिक सौहार्द लगातार बिगड़ा है। बाबा साहब की प्रतिमा न लगने पर मध्यप्रदेश सरकार को घेरा- ग्वालियर हाईकोर्ट में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा न लगाए जाने को लेकर उन्होंने इसे शर्मनाक बताते हुए मध्यप्रदेश सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि यह बाबा साहब का अपमान है, जिसे देश कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि जब जयपुर हाईकोर्ट में मनु की मूर्ति लग सकती है तो फिर ग्वालियर में बाबा साहब की क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार के पास असीमित शक्ति होती है इसलिए सरकार को ग्वालियर हाईकोर्ट में बाबा साहब की मूर्ति लगाने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए

संक्षिप्त समाचार

रोहिणी के आंबेडकर अस्पताल में ओपीडी सेवा ठप

नई दिल्ली 12 जून (निस) रोहिणी स्थित डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला रेजिडेंट डॉक्टर के साथ हुई शारीरिक हिंसा के विरोध में अस्पताल की रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने बृहस्पतिवार सुबह दस बजे से ओपीडी सेवा बंद करने का एलान किया है। हिंसा के विरोध में अलग-अलग आरडीए और मेडिकल एसोसिएशन सामने आ रही हैं। बुधवार को भी काली पट्टी बांधकर डॉक्टरों ने विरोध दर्ज कराया। हालांकि इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। लेकिन डॉक्टर पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। पुलिस पर जांच में लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे हैं। अस्पताल की आरडीए के अध्यक्ष डॉ. अनिर्बान भौमिक ने कहा कि इस घटना के बाद ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल ने इमरजेंसी कॉल करने से मना कर दिया। जांच अधिकारी ने दूसरे पक्ष की ओर से भी मुकदमा दर्ज कराने के नाम पर पीड़िता को डराने का प्रयास किया। पुलिस गिरफ्तारी के 24 घंटे के अंदर दोषियों को मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत नहीं कर सकी। साथ ही पीड़िता का बयान मजिस्ट्रेट के सामने रिकॉर्ड नहीं कराया गया। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए बृहस्पतिवार सुबह दस बजे से ओपीडी सेवा बंद रखने का निर्णय लिया गया है। वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क की स्थायी समिति के संयोजक डॉ. करन जुनेजा ने बताया कि डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। इस मामले की फास्ट ट्रैक जांच कराने, केंद्रीय स्वास्थ्य देखभाल संरक्षण कानून लागू करने, 24 घंटे सुरक्षाकर्मियों की तैनाती, राष्ट्रीय हेल्पलाइन की स्थापना सहित कई मांगें की गई हैं। इसके अलावा बुधवार को डॉक्टरों ने घटना के विरोध में काली पट्टी बांधकर भी विरोध दर्ज कराया।

एमसीडी में स्टैंडिंग कमिटी के चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन का चुनाव

नई दिल्ली 12 जून (निस) एमसीडी की स्टैंडिंग कमिटी चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन का चुनाव होते ही स्टैंडिंग कमिटी का गठन हो जाएगा। बीजेपी की ओर से स्टैंडिंग कमिटी चेयरमैन पद के लिए सत्या शर्मा और डिप्टी चेयरमैन पद के लिए सुंदर सिंह ने अपना नामांकन दाखिल किया हुआ है। आम आदमी पार्टी ने बीजेपी को टक्कर देने के लिए दोनों पदों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। आम आदमी पार्टी की ओर से चेयरमैन पद के लिए प्रवीण कुमार और डिप्टी चेयरमैन पद के लिए मोहिनी जीनवाल मैदान में हैं। वोटों के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन पद के लिए 18 मेंबर ही वोट डालेंगे। फिलहाल 18 में से बीजेपी के 11 और आम आदमी पार्टी के सात मेंबर हैं। इस हिसाब से स्टैंडिंग कमिटी पर बीजेपी का कब्जा होना लगभग तय माना जा रहा है। मेयर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि स्थायी समिति का गठन न होने की वजह से निगम में विकास कार्य पूरी तरह से ठप पड़े हुए थे। इस वजह से एमसीडी में कोई भी विकासकार्य नहीं हो पा रहे थे। उन्होंने बताया कि दिल्ली के लोगों के साथ साथ एमसीडी के सभी निगम पार्षद पिछले ढाई साल से एमसीडी स्टैंडिंग कमिटी के गठन का इंतजार कर रहे थे, गुरुवार को उनका यह इंतजार खत्म हो जाएगा।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

फिल्मी अंदाज में घूस लेने वाला दिल्ली का एएसआई गिरफ्तार

नई दिल्ली 12 जून (निस) दिल्ली पुलिस की विजिलेंस टीम ने कथित तौर पर रिश्वत लेने के आरोप में गोविंदपुरी थाने के एक एएसआई और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। एएसआई का नाम सुशील शर्मा है। आरोप है कि एक शिकायतकर्ता से 5 हजार रुपये की डिमांड की थी। आरोप यह भी है कि थाने के नजदीक में ही एक चाय की दुकान चलाने वाली महिला के जरिए रिश्वत लेता था। विजिलेंस यूनिट ने एएसआई के साथ ही उस महिला को भी गिरफ्तार किया है। विजिलेंस यूनिट की तरफ से जारी रिलीज में दावा किया है कि आरोपी एएसआई दो परिवारों के बीच झगड़े और हमले के संबंध में जांच अधिकारी था। गोविंदपुरी इलाके के निवासी और दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करने वाले शिकायतकर्ता ने शिकायत में आरोप लगाया कि जांच में से नाम हटाने पर 10,000 रुपये की डिमांड की गई थी। उसने पहले 5,000 रुपये दे दिए थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि शेष 5,000 रुपये की मांग आईओ एएसआई सुशील द्वारा की जा रही थी। शिकायतकर्ता ने विजिलेंस यूनिट से संपर्क किया। सूचना मिलने पर टीम ने ट्रैप लगाया। आरोप है कि एएसआई सुशील ने शिकायतकर्ता को बाकी रिश्वत की रकम एक चाय वाली को देने को कहा था। शिकायतकर्ता ने रिश्वत की रकम चाय वाली को सौंप दी। जब यह रकम एएसआई के पास पहुंची। तभी विजिलेंस टीम ने चाय दुकानदार और आरोपी एएसआई दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई सुशील 1990 में दिल्ली पुलिस में शामिल हुआ था। वह 2 साल से गोविंदपुरी में तैनात था। राउज एवेन्यू कोर्ट ने उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

जहां झुग्गी-वहां मकान के बदले बुल्डोजर क्यों आप के सौरभ भारद्वाज ने दी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली 12 जून (निस) आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि पहले झुग्गियों में आग लगाई जाती है और उसके बाद वहां बुल्डोजर चलाया जाता है। मद्रासी कैंप को भी उजाड़ दिया गया। यहां 40-50 साल पहले तमिलनाडु से लोग आकर बसे थे। सरकार ने मद्रासी कैंप की लगभग 800 झुग्गियों को उजाड़ दिया। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। सौरभ भारद्वाज ने गरीबों की झुग्गियों पर बुल्डोजर की कार्रवाई के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी 29 जून को जंतर-मंतर पर दिल्ली के झुग्गीवासियों के साथ मिलकर विशाल धरना प्रदर्शन करेगी। सौरभ भारद्वाज ने सभी झुग्गीवासियों को जंतर मंतर पर पहुंचने की अपील की है। इस दौरान आप के कई बड़े नेता भी शामिल होंगे। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद झुग्गीवासियों पर बुल्डोजर चलाये जा रहे हैं। दिल्ली सरकार कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट नहीं जा रही है। इसी भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ जाकर संसद में कानून पास किया था। भाजपा कोर्ट के आदेश की आड़ में झुग्गियां उजाड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 29 जून को सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर आवाज उठाएंगे और भाजपा की केंद्र व दिल्ली सरकार की सच्चाई पूरे देश को बताएंगे। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब से दिल्ली में भाजपा की सरकार आई है, एक-एक कर बड़ी-बड़ी झुग्गियों को बुल्डोजर से साफ किया जा रहा है। बवाना के रोहिणी सेक्टर 22 में एक झुग्गी झोपड़ी क्लस्टर था। एक माह पहले सुबह करीब 11 बजे उस झुग्गी में आग लग जाती है।

कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को झटका

नई दिल्ली 12 जून (निस) दिल्ली उच्च न्यायालय ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की आतंकवाद वित्तपोषण मामले में जमानत की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शालिंदर कौर की पीठ ने शाह की अपील को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया। जिसमें उन्होंने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने 28 मई शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था और अब जमानत देने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शलिंदर कौर की पीठ ने शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका खारिज की है। शब्बीर शाह पर जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देने और आतंकवाद के लिए हवाला के जरिए फंड जुटाने का आरोप है। शब्बीर अहमद शाह के वकील ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में कुल 400 गवाहों की गवाही होनी है, जिनमें से अब तक केवल 15 की जांच पूरी हुई है। बचाव पक्ष ने इस आधार पर भी जमानत की मांग की थी कि ट्रायल लंबा चल सकता है और न्याय मिलने में देरी हो रही है।